राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-24 | अंक-08 | फरवरी, 2024 | कुल पृष्ठ-28 | मूल्य-₹ 15

जोधपुर विज़िट के दौरान जोधपुर मण्डल के पदाधिकारियों एवं स्काउट्स व गाइड्स को संबोधित करते हुए प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

चित्र विथिका

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य का जोधपुर आगमन पर तिलक, स्कार्फ पहना कर, पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत–अभिनन्दन करते हुए जोधपुर मण्डल के ऑर्गेनाइजर्स एवं स्काउटर गाइडर तथा स्वागत नृत्य प्रस्तुत करती हुई गाइड्स

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 08
फरवरी, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

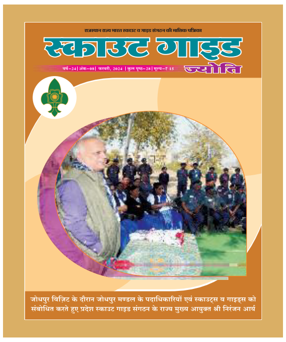

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
• दिशाबोध	4
• संपादकीय	4
• गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण	5
• समीक्षा बैठक एवं संवाद कार्यक्रम	6
• बालचर आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर	7
• भामाशाहों द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र, पाली का विकास	7
• राज्य स्तरीय रोवर रेंजर डेज़र्ट ट्रेंकिंग शिविर	8
• विश्व स्काउट दिवस व चिन्तन दिवस	11
• वो सुनहरे सात दिन	14
• गतिविधि दर्पण	16
• माता-पिता की सेवा ही सच्चा धर्म	21
• दक्षता पदक : खिलाड़ी	22
• हमारा स्वास्थ्य : शरीर की जैविक घड़ी	23
• पर्यटन स्थल : धौलपुर : इको फ्रेंडली जिला	24
• गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क		आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क : 100/-	संस्थागत शुल्क : 150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

विश्व स्काउट एवं चिन्तन दिवस

फरवरी माह स्काउट गाइड संगठन में एक विशिष्ट स्थान रखता है। इस माह में 22 फरवरी ऐसा पावन दिवस है, जब पूरा विश्व इस संगठन के संस्थापक लार्ड एवं लेडी बेडेन पॉवेल के जन्मदिन को विश्व स्काउट व चिन्तन दिवस के रूप में समारोह पूर्वक मनाता है। प्रदेश संगठन में नियमित गतिविधि के रूप में इस दिन राज्य पुरस्कार रैली का आयोजन किया जा रहा है, परन्तु इस नियमित गतिविधि में नये आयाम जोड़ते हुए नवीन स्वरूप प्रदान करना है। आप सभी को मालूम ही है कि इसमें वर्षभर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी क्षमताओं को विकसित करते हुए अपनी दक्षता बढ़ाकर राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण करने वाले स्काउट्स गाइड्स को महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया जाता है। इसी दिन प्रदेश संगठन द्वारा नन्हें कब–बुलबुल को हीरक पंख और चतुर्थ चरण के प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी आगे की राह को प्रशस्त करने का प्रयास होता है तथा रोवर–रेंजर्स को निपुण प्रमाण पत्र से अलंकृत किया जाता है।

यह एक ऐसा विशिष्ट दिन है जब संगठन के तीनों विभागों के बालक–बालिकाओं को सम्मानित होने का सुअवसर मिलता है। साथ ही व्यस्क लीडर्स को उनकी वर्षभर की सेवाओं के फलस्वरूप मेडल ऑफ मेरिट व दीर्घकालीन अवार्ड तथा संगठन को अद्वितीय सहयोग प्रदान करने वाले महानुभावों को धन्यवाद पत्र से अलंकृत कर हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

हमने अपने उद्देश्यों को ऊँचाई प्रदान की है, मेरा सभी से आव्हान है कि महत्त्वपूर्ण आयोजनों को भव्य, विराट और नवीन स्वरूप प्रदान कर अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करावें।

विश्व स्काउट व चिन्तन दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

जनवरी माह में संगठन की परम्परागत गतिविधियों के साथ ही 12 जनवरी को प्रदेश भर में स्वामी विवेकानन्द की 161वीं जयंती के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। राज्य स्तरीय रोवर रेंजर डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर का आयोजन दिसम्बर माह में आयोजित किया गया। ट्रेकिंग शिविर में प्रदेश के सभी जिलों से 200 रोवर–रेंजर व स्काउटर गाइडर का प्रतिनिधित्व रहा। रोवर–रेंजर ने इस ट्रेकिंग शिविर के माध्यम से अपने साहस, सहनशक्ति एवं धैर्य का परिचय दिया। प्रतिदिन कई–कई किलोमीटर की पैदल हाईक करना, बिना बर्तनों व साधनों के खाना बनाने जैसे आयाम पूर्ण कर स्काउट कला का खुबसूरत दर्शन कराया। भारत–पाक सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों के साथ यादगार पल बिताये और देशभक्ति से संचारित हो राष्ट्र की एकता व रक्षा की शपथ ली। युवा–युवतियों ने जिस जोश, उत्साह, उमंग और ऊर्जा के साथ सहभागिता की, वह अविस्मरणीय है। शिविर के दौरान राज्य मुख्यालय के स्वच्छता चेतना अभियान के अन्तर्गत विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ–सफाई कर उपस्थित ग्रामीणजनों को प्लास्टिक उन्मूलन एवं कचरा प्रबंधन का संदेश दिया गया, जो इनके सेवा–संकल्प का परिचय देता है।

अनेक जिलों में हमारे स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर ने स्काउटर गाइडर्स के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविरों में अपनी सेवाएं प्रदान कर आमजन के हितार्थ उनकी हर संभव मदद में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रत्येक जिले में सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा अपने आवास के आसपास क्षेत्र में गंदगी नहीं करने की हिदायत देते हुए स्काउट गाइड ने समझाइश की, जो उनके समाजोत्थान व प्रकृति संरक्षण में योगदान को परिभाषित करता है।

मेरा सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि स्काउटिंग गाइडिंग के विकास व विस्तार के लिए सदैव प्रयत्नरत रहें। संगठन की विकास यात्रा ऐसे ही आगे बढ़ती रहे, यही कामना है।

स्काउट गाइड भावना सहित....!

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण

75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्यालय भवन पर प्रदेश के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने प्रातः राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सभी को हार्दिक बधाई देते हुए भारत के गणतंत्र व संविधान की अक्षरशः पालना करने, देश के मान व सम्मान को बढ़ाने तथा देश की सदैव रक्षा करने के लिए आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन सहित समस्त अधिकारी व कार्मिक उपस्थित थे।

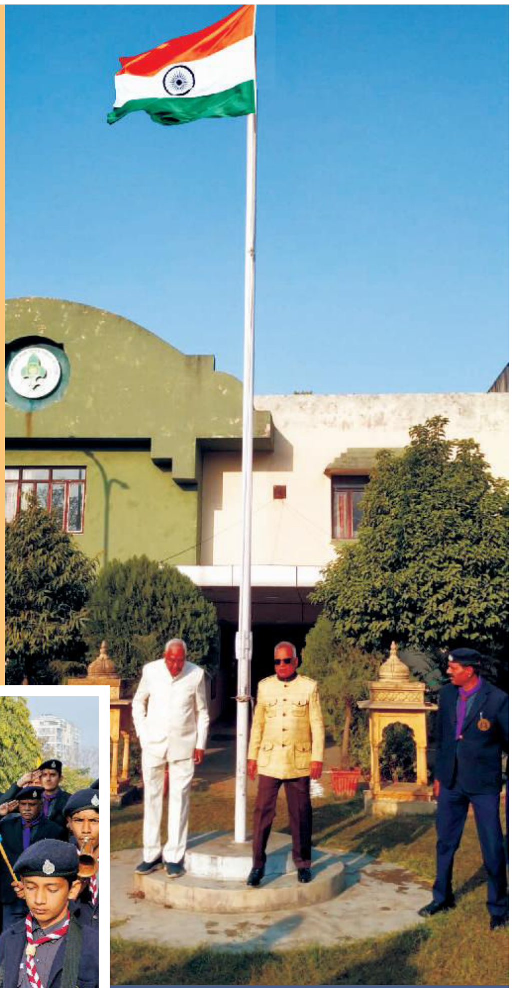

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय

जयपुर के जगतपुरा स्थित राज्य प्रशिक्षण केन्द्र पर संचालित राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय द्वारा आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर प्रदेश के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को अपने देश प्रेम की भावना रखते हुए सदैव अग्रसर रहने तथा अपने आचरण व व्यवहार को भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप बनाए रखने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों ने मार्चपास्ट की तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन सहित विद्यालय प्रधानाचार्य, अध्यापकगण तथा स्काउट गाइड अधिकारी व कार्मिक उपस्थित थे।

विशेष

समीक्षा बैठक एवं संवाद कार्यक्रम

राज्य मुख्यायुक्त की जोधपुर विजिट

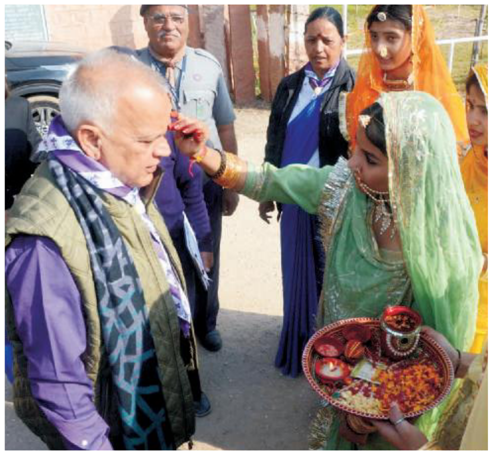

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जोधपुर पर राज्य मुख्यायुक्त श्रीमान निरंजन आर्य की अध्यक्षता में सर्कल ऑर्गेनाइजर्स की समीक्षात्मक बैठक दिनांक 16 जनवरी, 2024 को शिविर केन्द्र चौपासनी के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

सी.ओ. समीक्षात्मक बैठक में सत्र 2023–24 के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों की गहनता से चर्चा कर श्री निरंजन आर्य ने जिलावार समीक्षा करते हुए नवाचार सहित कार्य करने हेतु सभी सर्कल ऑर्गेनाइजर्स को निर्देशित किया। श्री आर्य ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन का सर्वोच्च अवार्ड राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने हेतु अधिकाधिक संख्या में पंजीकरण करवाकर जांच के उपरान्त राष्ट्रपति महोदया के कर कमलों द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त कर गौरवान्वित होना चाहिए।

श्री आर्य ने जिले के ग्रुपों एवं निष्क्रिय ग्रुपों की सक्रियता पर जोर दिया और कहा कि विजिट कर व्यवहारिक दृष्टि से स्काउट गाइड गतिविधि का प्रभावी संचालन कराने में ऑर्गेनाइजर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। व्यस्क लीडर प्रशिक्षण में भी अधिकाधिक संख्या में अध्यापक अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित कराने के साथ ही योग्यता वृद्धि भी करावें ताकि वे स्काउट्स गाइड्स की योग्यतावृद्धि में अपना योगदान दे सकें।

बैठक में सहा. राज्य संगठन आयुक्त श्री बाबूसिंह राजपुरोहित द्वारा स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय का शाब्दिक स्वागत किया गया तथा पी.पी.टी. द्वारा जोधपुर मण्डल के जोधपुर, जालोर, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर एवं सिरोही जिलों की प्रगति, जिले में सम्पादित गतिविधियों की रिपोर्ट एवं छाया चित्रों की प्रस्तुति दी गई।

समीक्षात्मक बैठक के बाद संवाद कार्यक्रम में राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य ने संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा श्री प्रेमचन्द सांखला, डॉ. शंकर लाल नामा, डॉ. ललित पंवार एवं श्री बी. आर. बंशीवाल तथा लीडर ट्रेनर श्री नारायण सिंह सांखला, श्रीमती किशोर देवी, श्रीमती शकुन्तला पाण्डेय के साथ संवाद किया तथा इन सभी को स्काउट गाइड में अपनी महत्ती भूमिका निभाने को कहा।

श्री आर्य ने स्काउटर गाइडर एव प्रशिक्षण टीम के सदस्यों से सीधा संवाद कर उनके विचार आंमत्रित किये एवं उनके द्वारा सुझावित बिन्दुओं पर क्रियान्विति हेतु सहमति प्रदान की।

सी.ओ. गाइड निशु कंवर ने जोधपुर जिले की स्काउट गाइड की संख्यात्मक एवं गुणात्मक उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

बैठक के प्रारम्भ में रेंजर्स द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य ने अपने उद्बोधन में स्काउटिंग के पुराने वैभव को पुनर्स्थापित करने पर कार्य करने की हिदायत देते हुए सभी को टीम भावना से कार्य करने हेतु कहा। राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने कहा कि राष्ट्रपति अवार्ड के लिए हर गांव का बच्चा राष्ट्रपति भवन दिल्ली तक पहुंचे, तभी सही मायने में स्काउट गाइड का पुराने समय का वैभव लौटेगा।

शिविर का प्रतिवेदन शिविर संचालक श्री अनिल कुमार शर्मा एवं पुरूषोत्तमपुरी गोस्वामी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट गाइड जोधपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सुश्री सुयश लोढ़ा कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) द्वारा आगन्तुक महानुभावों का आभार व्यक्त किया गया।

विशेष

बालचर आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर

भारत सरकार द्वारा चलाये गये सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के दौरान 11 जनवरी, 2024 को ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, जगतपुरा जयपुर के स्काउट्स को जागरूक किया गया और ट्रैफिक के नियमों, चालान नियमों, ट्रैफिक सिग्नल, ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल, सी.ओ. स्काउट भाविक सुथार, विद्यालय प्रधानाचार्य श्री विमल प्रकाश शर्मा और विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

भामाशाहों द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र, पाली का विकास

भारत स्काउट व गाइड, जिला प्रशिक्षण केंद्र, बजरंग बाड़ी, पाली में आयोजित होने वाले स्काउट गाइड शिविरों के लिए भामाशाह श्री ओम प्रकाश परिहारिया द्वारा 45 गुणा 60 फीट का एक टीन शेड कम हॉल कक्षा के लिए तैयार किया जा रहा है।

सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया कि नियमित रूप से जिला प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित होने वाले स्काउट गाइड रोवर रेंजर और वयस्क लीडर शिविरों में प्रशिक्षण हेतु गर्मी और बरसात के मौसम में प्रशिक्षण और आवास के लिए आवश्यक रूप से उपयोगी एक बड़े हॉल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसमें 400 से 500 संभागी एक साथ बैठकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सके तथा प्रशिक्षकों द्वारा प्रायोगिक परीक्षाएं व कक्षाएं ली जा सके।

बरसात और गर्मी के मौसम के समय में एक बड़े हॉल के अभाव में आ रही समस्या को देखते हुए भामाशाह एवं समाजसेवी स्वर्गीय भेराराम परिहारिया की स्मृति में उनकी पत्नी श्रीमती पार्वती देवी की प्रेरणा से पुत्र ओम प्रकाश परिहारिया एवं विशेष सहयोगी पन्नालाल परिहारिया ने अपने स्वर्गीय पिता की स्मृति में 60 फीट लंबाई और 45 फीट चौड़ाई के विशाल डॉम के निर्माण की स्वीकृति दी।

संगठन के लिए हर्ष की बात है कि बुधवार 17 जनवरी को श्री ओम प्रकाश एवं धर्मपत्नी श्रीमती मंजू देवी तथा पुत्र अंकित ने प्रशिक्षण केंद्र में भूमि पूजन एवं पूजा अर्चना के साथ में कार्य प्रारंभ कराया। लगभग एक सप्ताह में यह निर्माण बनकर प्रशिक्षण कार्यों के लिए स्काउट गाइड को समर्पित हो सकेगा। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने जिला मुख्यालय के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को भामाशाह द्वारा पूर्ण करने पर आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट माउंट आबू जितेंद्र भाटी, पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, गाइड काव्या, वन्या, रोवर दिनेश आदि उपस्थित रहे। गौरतलब है कि प्रशिक्षण केंद्र पर विगत 05 साल में लगभग 60 लाख से अधिक का विकास कार्य भामाशाह एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से प्राप्त हुआ है, जिसकी बदौलत राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड में प्रदेश के चुनिंदा विकसित प्रशिक्षण केंद्रों में पाली जिले का प्रशिक्षण केंद्र और जिला मुख्यालय गिना जाने लगा है।

राज्य स्तरीय रोवर रेंजर डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय रोवर रेंजर डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर का आयोजन 19 से 23 दिसम्बर, 2023 तक जैसलमेर में आयोजित किया गया। शिविर में राजस्थान के पुराने 33 जिलों में से 31 जिलों के 91 रोवर, 88 रेंजर, 9 सदस्य संचालक दल, 5 सर्विस रोवर रेंजर एवं 07 अन्य सहित कुल 200 संभागियों का संभागित्व रहा।

18 दिसम्बर को ही शिविर प्रभारी पूरण सिंह शेखावत (राज्य संगठन आयुक्त) एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त जोधपुर बाबू सिंह राजपुरोहित ने संचालक दल के सदस्यों को डेजर्ट ट्रेकिंग को लेकर भौतिक, पेयजल, सेनिटेशन, आवास, भोजन, मेडिकल, सुरक्षा, यातायात, स्वागत, सत्कार, पंजीकरण सहित सभी प्रकार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये।

प्रथम दिवस कार्यक्रम

प्रथम दिवस 19 दिसम्बर से पूर्व प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित रोवर रेंजर्स का आगमन 18 दिसम्बर रात से ही प्रारम्भ हो गया था। रात्रि में ही पंजीकरण की कार्यवाही सी.ओ स्काउट महेश कालावत एवं सी.ओ. गाइड मोनिका यादव एवं ऋतु शर्मा के नेतृत्व में प्रारम्भ की गई। राजस्थान प्रदेश के रोवर रेंजर्स के मुस्कराते हुए चेहरों से लग रहा था कि राष्ट्र की युवा शक्ति रेत के धोरों में अपने साहसिक परचम को दिखाने के लिए जोश और उमंग से लबरेज है। पंजीकरण के दौरान ही सभी को आवास व्यवस्था दी गई जिससे सभी संभागी रोवर रेंजर्स एवं लीडर्स सन्तुष्ट नजर आये।

19 दिसम्बर को प्रातः सभी ने अल्पाहार किया तथा 10:30 बजे ध्वजारोहण मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. आशीष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिविर प्रभारी पूरण सिंह शेखावत एवं बाबूसिंह राजपुरोहित ने दोनों अधिकारियों का संगठन की परम्परा के अनुसार स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया।

दोपहर भोजन से पूर्व ही ध्वजारोहण के उपरान्त सभी को ट्रेकिंग संबंधित आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किये गये। शिविर नियम, दैनिक कार्यक्रम, रोटा चार्ट, मेडिकल, आवास, भोजन, नोटिस बोर्ड, यातायात, सुरक्षा, ग्रुप विभाजन, रोवर मेट, रेंजर मेट निर्धारण, ग्रुप इंचार्ज, कैम्प फायर, अनुशासन सहित सभी प्रकार की बातें बताई गई।

भोजन के बाद सभी विश्व विख्यात हवेलियां देखने पहुँचे। यहाँ का नैसर्गिक सौन्दर्य, अद्‌भुत कलाकृति, भव्यता को देख सभी अचम्भित हो गये। सबसे बड़ी खासियत यह थी कि पटुओं की हवेली के छतों पर सोने की पॉलिश की हुई थी।

जैसलमेर के किले का विजिट करवाया गया जो अपनी सौन्दर्य एवं कला की छटा को दर्शा रहा था। पूरे किले में शहर बसा हुआ है। यहाँ की संस्कृति, पहनावा, बोलचाल सच में लोक लुभावना लग रहा था। यहाँ की साफ–सफाई को देखकर लगा कि हमारा स्वच्छ भारत अभियान यहाँ पर सही मायने में सार्थक सिद्ध हो रहा है। यहां से सिटी व्यू पॉइन्ट से जैसलमेर देखने का नजारा कुछ और ही है। यहां पर जैन मंदिर, राजदरबार की कुर्सी एवं लक्ष्मीनारायण मंदिर का अवलोकन किया गया।

सोनार का किला देखने के बाद सभी गढ़ीसर लेक पहुँचे जहां का दृश्य बड़ा ही मनभावन लग रहा था। ठीक 6 बजे लाईट एवं साउण्ड शो का मनोहारी दृश्य लेक में नगर परिषद द्वारा प्रदर्शित किया गया, जो बहुत ही मनोहारी था।

द्वितीय दिवस 20.12.2023

20 दिसम्बर को प्रातः 6.00 बजे अल्पाहार के दौरान ही सभी को भोजन पैकेट भी दे दिये गये एवं ग्रुपवार बसों का आवंटन किया गया। आज का दिन सभी के लिए रोमांचकारी था क्योंकि सभी को घण्टियाली माता, तनोट माताजी, भारत पाक बॉर्डर, सम के धोरे, लोंगेवाला आदि स्थानों पर जाना था। बसे निर्बाध गति से दौड़ रही थी। रास्ते में वनस्पति को देखकर रोवर रेंजर्स काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। दूर–दूर तक गांवों के निशान नजर नहीं आ रहे थे।

ठीक 9 बजे घण्टियाली माता मंदिर पहुँचे। माता जी के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया और आगे बढ़ते हुऐ सभी तनोट माता पहुँचे। यहां से भारत पाक बोर्डर नजर आ रहा था। यहाँ पर माताजी के मंदिर में सभी ने दर्शन किये और माताजी से देश की सुरक्षा, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। यहाँ मंदिर में 1965 के भारत–पाक युद्ध के दौरान पाकिस्तान से फेंके गये गोले व

राकेट लांचर आज भी बिना फटे सुरक्षित रखे हैं। उस युद्ध में यहाँ पर कोई भी बम्ब, हथगोला, राकेट लांचर नही फटा। यह सब देखकर सभी रोवर रेंजर को विस्मय हुआ कि ऐसा भी चमत्कार हुआ था। मंदिर की पूजा एवं प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी भी बी.एस.एफ. के जवानों की है। यहां से सभी भारत पाक बॉर्डर पहुँचे। बॉर्डर की सुरक्षा में लगे हुए जवानों से सभी ने अनुभव सांझा किये एवं सामरिक महत्व की जानकारी प्राप्त की।

बॉर्डर देखने के बाद लोंगेवाला के लिए रवाना हो गये। बसे गति पकड़ चुकी थी। सभी बेहद खुश नजर आ रहे थे क्योंकि अब हमारे सामने पाकिस्तान पर भारत की विजय का दृश्य देखने का मौका था। यहाँ पर पहुँचते ही हमारे साथ लाया हुआ आन–बान और शान का प्रतीक तिरंगा झण्डा व स्काउट गाइड फ्लेग फहराया और जीत के जश्न में शामिल हुये।

1965 के भारत पाक युद्ध में पाकिस्तान के 3 टैंकर, 2 जीप व 1 सैनिक वाहन को भारतीय सेना ने कब्जा लिया था जो आज भी लोंगेवाला पोस्ट पर सुरक्षित रखे हैं। यहाँ पर भारत ने पाकिस्तान को जबरदस्त शिकस्त दी थी। पुनः सभी अपनी बसों से सम के धोरों की ओर रवाना हुए और सम पहुँचे। रोवर रेंजर्स ने ऊँचे–ऊँचे रेत के टीले देख दाँतों तले अंगुली दबा ली। सभी ने रेत के धोरों में फिसलने, चढ़ने, खेलने एवं झुमने तथा घूमने का आनन्द प्राप्त किया। हर कोई अपनी मस्ती से सरोबार नजर आया। सभी को जीप सफारी करवाई गई। जीप सफारी करते समय बहुत ही रोमान्चकारी अनुभव प्राप्त हुआ, क्योंकि जीपें ऐसी–ऐसी जगह जा रही थी जहां बाईक भी नहीं जा सकती है। दृश्य बड़ा ही विस्मयकारी था। यहां से सनसेट (सूर्यास्त) देखने का नजारा बड़ा ही रोमान्चकारी नजर आ रहा था। सूर्यास्त के बाद हम सब सम स्थित डेजर्ट रिसोर्ट पहुँचे जहां पर सभी रोवर रेंजर्स का तिलक लगाकर स्वागत सत्कार किया गया।

आवास प्रभारी महेश कालावत ने सभी को विशेष क्वालिटी के टेन्ट अलोट किये। रोवर रेंजर्स अपने–अपने तम्बूओं में जाकर आल्हादित हो गये क्योंकि तम्बू के अन्दर ही शौचालय एवं स्नानघर की व्यवस्था थी। इतना ही नही शानदार बिस्तर एवं नहाने धोने के लिए गर्म पानी की व्यवस्था थी। डेजर्ट रिसोर्ट में ठेठ राजस्थानी भोजन का आनन्द लेने के बाद शिविर ज्वाल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्थानीय कलाकारों ने राजस्थानी गीत एवं नृत्यों की बढ़ चढ़कर शानदार प्रस्तुति दी।

तृतीय दिवस 21.12.2023

आज का दिन प्रातःकाल भारत सरकार के हिट इण्डिया–फिट इण्डिया अभियान के अन्तर्गत रोवर रेंजर्स को योग, व्यायाम एवं प्राणायाम तथा बी.पी. सिक्स करवाया गया। तत्पश्चात प्रातः 7.00 बजे पुनः सम के धोरों में पहुँचे। ठण्ड बहुत ही अधिक थी, यहाँ पर ऊँटों की भी भारी तादाद थी जो विदेशी पर्यटकों, भारतीय पर्यटकों को धोरो में घूमाते हैं। हमारे सभी रोवर रेंजर्स ने भी ऊँटों की सवारी अर्थात केमल सफारी का भरपूर आनन्द लिया।

डेजर्ट ट्रेकिंग का असली आनन्द लेने के लिए राजस्थान प्रदेश की युवा तरूणाई सम के धोरों से होते हुए खाबा फोर्ट के लिए रवाना हुई। सभी रोवर रेंजर्स अपनी ही मस्ती में सराबोर नाचते, गाते, उछलते, कूदते ट्रेकिंग के दौरान रेतीले धोरों के आनन्दमयी पल अपने केमरे में कैद करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में दोपहर 1 बजे सभी ने भोजन किया एवं प्रकृति का आनन्द उठाया। दोपहर 2 बजे खाबा फोर्ट पहुँचे। यहां छोटा सा म्यूजियम बना हुआ था जिसमें मिट्टी के विभिन्न प्रकार के खिलौने अपनी राजस्थानी संस्कृति को दर्शा रहे थे। खाबा फोर्ट बहुत छोटा लेकिन रेत के धोरों के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था। यहां पर खाबा गांव उजड़ा हुआ था। अधिकतर घर टूटे–फूटे हुए थे। यह सोढ़ा राजपूतों का उजड़ा हुआ गांव था जो यहां से अन्यत्र पलायन कर गये थे।

सायं 6.30 बजे हम सब डेडा गांव पहुँचे एवं आवश्यक दिशा निर्देश सभी को प्रदान किये गये। रात्रि भोजन किया।

चतुर्थ दिवस 22.12.2023

प्रातः 7 बजे अल्पाहार के बाद राज्य मुख्यालय के स्वच्छता चेतना अभियान के अन्तर्गत विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ–सफाई कर उपस्थित ग्रामीणजनों को प्लास्टिक उन्मूलन एवं कचरा प्रबंधन का संदेश दिया गया। तत्पश्चात 10–10 के ग्रुप में कच्ची खाद्य सामग्री के पैकेट्स रोवर–रेंजर मेट को थमा दिये गये। रोवर रेंजर्स डेजर्ट ट्रेकिंग के लिए रवाना हुए। प्रातः 11 बजे नियत स्थान पानी की जसेरी तलाई (तालाब) पहुँचे, सभी को

निर्देश प्रदान किये कि कोई भी पानी को गन्दा नही करेगा क्योंकि आस–पास के गांवो के लोग उस पानी को पीने के काम में लेते हैं।

उपलब्ध संसाधनों से बनाया खाना

तालाब किनारे सभी ने अपने–अपने ग्रुपों में उपलब्ध संसाधनों से खाना बनाना शुरू किया। अधिकांश का पहला ही मौका था कि वो खाना बना रहे थे वो भी बिना बर्तनों के। पहले तो कुछ रोवर रेंजर्स ने शंका जाहिर की कि कैसे बनायें। लेकिन देखा कि साथी लोग जुट गये तो फिर क्या था कहीं से गोबर के कण्डे, उपले, लकड़ियां इक्ट्ठी की गई और अपनी–अपनी रूची के अनुसार जुट गये खाना बनाने। विभिन्न प्रकार के व्यंजन जैसे मिठी रोटी, बाटी, चूरमा लड्डू, आलू का हलवा, आलू टिक्की मसाला, केक, प्याज पकोड़े, आलू पराठे, प्याज चटनी, मसाला मिर्च, फ्रेंच फ्राइज, रोस्टेड मिर्च, आलू फ्राम, मसाला बाटी, शक्कर रोटी, आलू छोला, पूड़िया, सादी बाटी, जलजीरा पानी, शरबत, नीम्बू पानी, तंदूरी रोटी, कचोरी, समोसा, वेज कबाब, पकोड़े, ढेकुआ, पोहा, गुंजिया, फ्राई मोदक, मालपुए, डबल पिज्जा सहित अनेक प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाये और सभी ने अपने हाथ से बनाए भोजन का लुत्फ उठाया। ग्रुपवार संचालक दल ने रोवर रेंजर्स द्वारा बनाये गये लजीज एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द उठाया।

सभी लोग रेत के धोरो को पार करते हुये कुलधरा पहुँचे। यहां का भी ऐतिहासिक महत्व है, यहाँ बहुत पुरानी बावड़ी है जो कि पीने के पानी का उत्तम जल स्त्रोत रहा है और आज भी है। यहां से आगे जैसलमेर को प्रस्थान किया।

कैम्प फायर रहा आकर्षक का केन्द्र :-

रात्रि में रोवर रेंजर्स ने राजस्थानी लोक कला, संस्कृति का रंग कैम्प फायर के माध्यम से बिखेरा। 20 किलोमीटर पैदल चलने के बाद भी सभी के चेहरे खिले–खिले नजर आ रहे थे। प्रत्येक जिले के संभागियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। संचालक दल ने भी अपनी प्रस्तुति दी। रात्रि में दीप विजर्सजन के बाद सभी अपने–अपने आवास में शयन के लिये गये।

अन्तिम दिवस 23.12.2023

आज का दिन डेजर्ट ट्रेकिंग का अंतिम दिन, विदाई की बेला थी। प्रातः सर्वधर्म प्रार्थना सभा, फिर ध्वजारोहण तत्पश्चात लजीज एवं गर्मागर्म अल्पाहार फिर शिविर केन्द्र से लिया गया सामान जमा करवाना, लेकिन ये सब खामोशी के साथ हुआ।

विदाई की बेला लेकिन इससे पहले समापन समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट करना। समापन समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त जैसलमेर नैना राम जाणी के मुख्य आतिथ्य तथा राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत की अध्यक्षता एवं गीता आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र व्यास के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत कर प्रत्येक संभागी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इन मधुर स्मृतियों एवं यादगार पलों को सभी रोवर रेंजर्स ने अपने–अपने मोबाइल के केमरे से कैद किया।

इस दौरान रोवर रेंजर्स द्वारा भारत माता का जयघोष एवं वंदे मातरम के नारों से आकाश को गुंजायमान कर दिया। विदाई की बेला, ध्वाजावतरण, राष्ट्रगान, भोजन फिर रवानगी। लेकिन गीता आश्रम (आवास) पहले जैसा ही खुबसुरत। स्काउट भावना का उमदा परिचय, कहीं कोई कागज, गंदगी नहीं। यही तो हमारी पहचान है। आखिर में जैसलमेर जिले के सभी सर्विस रोवर्स रेंजर्स व स्काउट परिवार का कोटि–कोटि आभार जिनके अथक प्रयास से यह आयोजन सफल हुआ।

राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत, सहा. राज्य संगठन आयुक्त जोधपुर बाबूसिंह राजपुरोहित, सी.ओ स्काउट झुंझुनूं महेश कालावत, सी.ओ. गाइड मण्डल मुख्यालय जयपुर ऋतु शर्मा, सी.ओ. गाइड श्रीगंगानगर मोनिका यादव, सी.ओ.स्काउट जैसलमेर नरेन्द्र खोरवाल, मुकेश हर्ष रोवर लीडर जालोर, स्काउटर जुगत सिंह सोंलकी, स्काउट सहायक मदन सिंह, आबूपर्वत का उल्लेखनीय योगदान रहा और सम्पूर्ण डेजर्ट ट्रेकिंग को इन्होंने पूर्ण मनोयोग से संचालित किया।

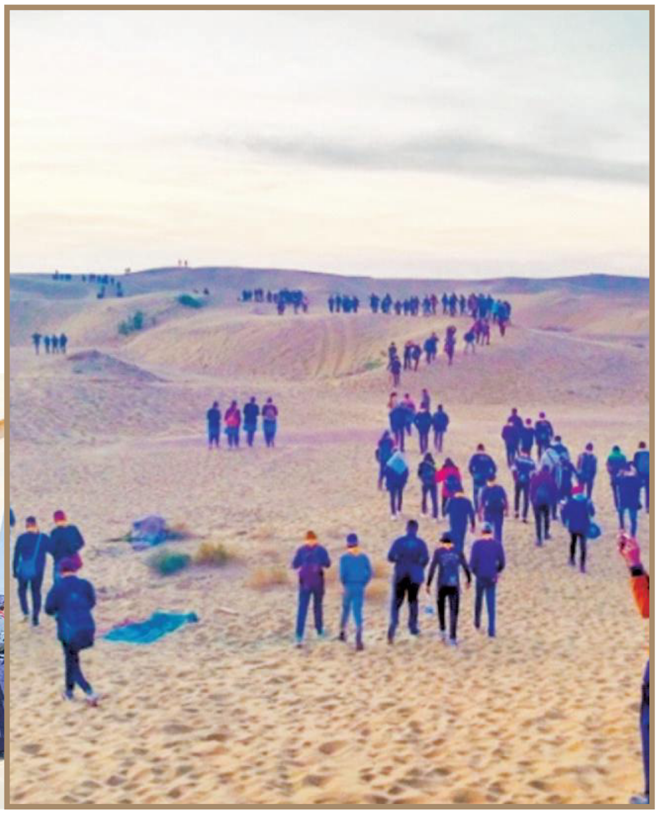

22 फरवरी

विश्व स्काउट दिवस व चिन्तन दिवस

प्रस्तोता – नित्यानन्द गौतम

'श्रृद्धा सुमन' अर्पित करने का दिन

यों तो प्रत्येक दिन का अपना महत्व है, परन्तु जब कोई भी दिन किसी महापुरूष के जन्मदिन से सम्बन्धित हो तो उस दिन का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। और; उसी दिन से यदि दो–दो महान व्यक्तित्वों की जीवन गाथा जुड़ी हुई हो एवं उस दिन को विश्व स्तर पर मनाया जावे तो वह दिन और भी अधिक गरिमापूर्ण हो जाता है।

'22 फरवरी' का दिन ऐसा ही गरिमापूर्ण दिन है जिस दिन स्काउट गाइड जगत के दो महान व्यक्तित्व का जन्मदिन मनाया जाता है। इस दिन स्काउटिंग गाइडिंग के संस्थापक राबर्ट बेडन पावेल तथा उनकी पत्नी ओलेव बेडन पावेल दोनों के जन्म दिवस सुसंयोग के कारण ही विश्व के स्काउट्स 'विश्व स्काउट दिवस' और गाइड्स 'चिन्तन दिवस' के रूप में एक ही दिन श्रृद्धा व महान गरिमा के साथ मनाते हैं।

जीवन परिचय :

रॉबर्ट बेडन पावेल का जन्म 22 फरवरी, 1857 को स्टेन पोल स्ट्रीट लंकस्टर गेट, लन्दन (इंग्लैण्ड) में हुआ था। जिसका वर्तमान नाम स्टेन पोल अैरस, लन्दन–2 है। राबर्ट बेडन पावेल का पूरा नाम राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडन पावेल था। रॉबर्ट बेडन पावेल के पिता रेवरेंड प्रो. हरबर्ट जार्ज बेडन पावेल ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में रेखागणित विषय के प्रोफेसर थे तथा उनकी माता हेनरिटा ग्रेस स्मिथ एडमिरल विलियम टी.स्मिथ की सुपुत्री थी। 1860 में जब राबर्ट की आयु लगभग 3 वर्ष की थी, उनके पिता की मृत्यु हो गई। उनके पिता पीछे पत्नी हेनरिटा ग्रेस तथा सात संतानों को छोड़ गये। माँ हेनरिटा ग्रेस ने बड़ी कठिनाइयों में साहस और प्यार के साथ संतानों का पालन पोषण किया। माँ का बच्चों के प्रति तथा बच्चों का माँ के प्रति जो पारस्परिक प्रेम था, उससे परिवार का सब कार्य चलता रहा। राबर्ट बेडन पावेल माता–पिता की छठी संतान थे। उनका घर में प्यार का नाम स्टी था तथा विद्यालय में बाथिंग टावल कहा जाता था।

1870 में वजीफा लेकर लंदन के चार्टर हाउस स्कूल में प्रवेश लिया तथा 19 वर्ष की आयु में बेडन पावेल ने चार्टर हाउस से ग्रेजुएशन की। इसी दौरान 1876 में इन्होंने फौज में लैफ्टिनेंट के रूप में नियुक्ति का अवसर प्राप्त कर लिया। 26 वर्ष की आयु में रॉबर्ट बेडन पावेल कैप्टिन बनें और 1899 में 42 वर्ष की आयु में कर्नल के पद पर पहुँच गये। लार्ड बेडन पावेल के फौजी जीवन का कार्य क्षेत्र भारत और अफ्रीका में रहा। इन्होंने अपने कौशल, योग्यता और साहस का परिचय अफ्रीका के मैटाबिली लैण्ड में दिया। अक्टूबर 13, 1899 से 217 दिन तक अशांत आदिवासी जाति कबीलों से और

जंगली मैटाबिली यौद्धाओं से मुकाबला किया, जो मेफेकिंग को घेरे हुए थे। अन्त में 18 मई, 1900 को मेफेकिंग का घेरा तोड़ने में सफल हुए। इस लम्बे समय 1899–1900 में दक्षिण अफ्रीका के युद्धकाल में चीफ स्टाफ अफसर ऐडवर्ड सिसिल ने स्थानीय बालकों को इकट्ठा कर एक केडेट कोर बनाकर संगठित किया तथा उनको विभिन्न प्रकार से प्रशिक्षित कर मैसेंजर के रूप में काम में लिया। यहीं से स्काउटिंग का बीजारोपण हुआ और इसे व्यावहारिक रूप देने के लिए 1907 में इंग्लिश चैनल में स्थित ब्राउन सी टापू पर 20 लड़कों को लेकर विश्व का पहला स्काउटिंग का प्रयोगात्मक शिविर आयोजित किया।

1908 में स्काउटिंग की बाइबल 'स्काउटिंग फॉर बॉयज' पुस्तक प्रकाशित हुई। 1909 में क्रिस्टल पैलेस, ग्लैस्गो (इंग्लैण्ड) में आयोजित रैली में 6000 स्काउट्स ने भाग लिया तथा उनके पीछे–पीछे 7 लड़कियाँ जो स्काउट यूनिफार्म में थी, के एक छोटे से समूह ने मार्च पास्ट किया। लार्ड बेडन पावेल इसे देखकर आश्चर्य में पड़ गये। उन्होंने अपनी बहन मिस एग्नेस से बात की और उन्हें लड़कियों के समूह के संभाल की जिम्मेदारी सौंपी। इस तरह 1910 में पहली गर्ल गाइड कम्पनी प्रारम्भ हुई।

लार्ड बेडन पावेल ने 1910 में अपनी जीवन–साथी लेडी ओलेव को पहली बार हिडन पार्क में देखा। 1912 में सोम्स परिवार अफ्रीका की यात्रा पर गया, तब लार्ड बेडन पावेल पुनः उनसे मिले और 30 अक्टूबर, 1912 में वे लेडी आलेव के साथ परिणय सूत्र में बंध गये। 13 अक्टूबर, 1914 को लार्ड बेडन पावेल की माँ की मृत्यु हो गई।

लंदन के ओलम्पिया नगर में आयोजित प्रथम स्काउट जम्बूरी में 6 अगस्त, 1920 को लार्ड बेडन पावेल 'विश्व चीफ स्काउट' की उपाधि से सम्मानित किए गये। 1931 में लार्ड बेडन पावेल ने लेडी बेडन पावेल के साथ विश्व का भ्रमण किया। लार्ड बेडन पावेल ने 1938 में अंतिम भ्रमण नार्वे, डेनमार्क और बेल्जियम का किया। 1938 में अंतिम भ्रमण के पश्चात स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण लार्ड बेडन पावेल 1939 में कीनिया (अफ्रीका) चले गये, जहाँ इन्होंने अपने निवास पैक्स–2 में अपनी पत्नी के साथ प्रसन्नता से 3 वर्ष व्यतीत किए। लार्ड बी.पी. अपने जन्म दिवस 22 फरवरी, 1941 को 84 वर्ष की आयु पूर्ण करते किन्तु इससे पूर्व ही 83 वर्ष 10 माह 17 दिन की आयु में ही 8 जनवरी, 1941 को अपने जीवन की अंतिम सांस ली।

लेडी बेडन पावेल :

लेडी बेडन पावेल का पूरा नाम ओलेव सैंट क्लेयर सोम्स था। इनका जन्म 22 फरवरी, 1889 को (लार्ड बेडन पावेल के ठीक 32 वर्ष बाद) गोआइस, पार्क स्टोन, डर्बीशायर (इंग्लैण्ड) मे हुआ। 30 अक्टूबर, 1912 को लार्ड बेडन पावेल के साथ परिणय सूत्र में बंध जाने के बाद लेडी बेडन पावेल भी शीघ्र ही स्काउट गाइड आन्दोलन को गति देने में सक्रिय हो गई। विश्व के समस्त स्काउट गाइड सम्मान स्वरूप इन्हें लेडी बी.पी. के नाम से सम्बोधित करने लगे। लार्ड व लेडी बी.पी. के परिवार में 30 अक्टूबर, 1913 को पुत्र रत्न प्राप्त हुआ, जिसका नाम आर्थर राबर्ट रखा। 1 जून, 1915 को पावेल दम्पति के एक पुत्री हीथर ग्रेस ने जन्म लिया और 16 अप्रेल, 1917 को पुनः एक और पुत्री ने जन्म लिया उसे बेट्टी सैंट क्लेयर नाम दिया।

1917 से ही लेडी बेडन पावेल ने गर्ल गाइड को ससेक्स (इंग्लैण्ड) में संगठित करना प्रारम्भ कर दिया तथा 1918 में लेडी बी. पी. को इंग्लैण्ड की चीफ गाइड के ताज से सम्मानित किया गया। 1919 में लेडी बी.पी. ने एक अन्तर्राष्ट्रीय कौंसिल का गठन किया, जिसने कुछ समय बाद ही वर्ल्ड एसोसियेशन ऑफ गर्ल गाइड व गर्ल स्काउट (WAGGGS) का रूप ले लिया। 1921 में लेडी बी.पी. भारत भ्रमण पर लार्ड बेडन पावेल के साथ आयी। 1930 में लार्ड बेडन पावेल के साथ विश्व भ्रमण पर गयी। पुनः 1937 में लार्ड बेडन पावेल के साथ भारत आयी और उस समय जो विभिन्न संगठन कार्य कर रहे थे उनका स्काउट गाइड संगठन में एकीकरण करने में सहायता की।

लार्ड बेडन पावेल की मृत्यु के पश्चात् लेडी बी.पी. ने स्काउटिंग गाइडिंग के क्षेत्र में अच्छे कार्य किये तथा देश–विदेशों का भ्रमण किया। जहाँ कहीं भी गाइड परिवार थे वहाँ जाकर बैठकें आयोजित की। लेडी बी.पी. एक मात्र ऐसी महिला थी जिन्हें गोल्ड फिश अवार्ड से सम्मानित किया गया। 1960 में लेडी बी.पी. भारत आयी। उस समय बंगलौर में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय जम्बूरी में लेडी बी.पी. ने मुख्य आतिथ्य स्वीकार किया। फरवरी, 1961 में राष्ट्रीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, पंचमढी में गाइड भवन का उद्घाटन किया। 1961 में लेडी बी.पी. पुनः भारत आयी और विश्व गर्ल गाइड और गर्ल स्काउट के चौथे प्रशिक्षण केन्द्र संगम (पुणे) का उद्घाटन किया। लेडी बी.पी. 1970 तक स्काउट गाइड आन्दोलन के प्रति सक्रिय व समर्पित रहीं। शारीरिक स्वास्थ्य अनुकूल न रहने के कारण बीमार परिस्थितियों ने लेडी बी.पी. की यात्राओं पर रोक लगा दी। लेडी बेडन पावेल ने 88 वर्ष 4 माह 4 दिन की आयु में 26 जून, 1977 को हमसे विदा लेकर जीवन की अनन्त यात्रा की ओर प्रयाण किया।

विश्व स्काउट दिवस/चिन्तन दिवस का प्रारम्भ :

संयुक्त राज्य अमेरिका में 1926 में आयोजित चौथी विश्व कॉन्फ्रेंस के अवसर पर विश्व के अन्य देशों से सम्मिलित हुए प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि स्काउटिंग और गाइडिंग के संस्थापक लार्ड बेडन पावेल के जन्मदिन को 'विश्व स्काउट दिवस' एवं लेडी बेडन पावेल के जन्मदिन को 'चिन्तन दिवस' के रूप में सारे विश्व में श्रृद्धापूर्वक मनाया जाये। तत्पश्चात 1926 से ही प्रतिवर्ष '22 फरवरी' का दिन विश्व स्काउट दिवस/चिन्तन दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। लार्ड व लेडी बेडन पावेल के जन्मदिन पर विश्व स्तर पर कब–बुलबुल,

स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर, स्काउटर–गाइडर अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं तथा लार्ड व लेडी बेडन पावेल को श्रृद्धासुमन अर्पित करते हैं।

विश्व स्काउट दिवस–चिन्तन दिवस संस्थापकों के स्वप्न साकार करने, उनके पद चिह्नों का अनुसरण करने तथा इस दिवस की सार्थकता प्रदान करने हेतु इस दिन स्काउट व गाइड विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों– हस्तकला प्रदर्शनी, लार्ड व लेडी बी.पी. के जीवन चरित्र पर वार्ता, प्रभातफेरी, पैदल या साइकिल हाईक, रैली, सर्वधर्म प्रार्थना, विशेष कैम्प फायर और विभिन्न प्रकार की कला–कौशलों का प्रदर्शन व प्रतियोगिताओं का आयोजन कर स्थानीय समुदाय के लोगों के मध्य अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करते हैं।

इस प्रकार स्काउट्स व गाइड्स का समाज से आत्मीय संबंध जुड़ जाता है तथा समाज को स्काउटिंग गाइडिंग के सिद्धान्तों, कला–कौशलों और गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त ज्ञान प्राप्त हो जाता है, साथ–साथ ''स्काउट गाइड समाज के लिए और समाज स्काउट गाइड के लिए'' वाली कहावत चरितार्थ होती है।

इस अवसर पर स्काउट्स गाइड्स विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर तथा संबंधित गतिविधियों को सार्थक रूप प्रदान कर कुछ धन राशि भी एकत्रित कर सकते हैं। स्वयं स्काउट गाइड भी एक दिन का अपना जेब खर्च बचा कर, माता–पिता, अभिभावक तथा जन समुदाय से न्यूनतम मात्र एक रूपया एकत्रित कर संगठन को आंशिक अंशदान भी प्रदान कर सकते हैं। यह एकत्रित धन राशि संस्था, जिला व राज्य संगठन कार्यालय द्वारा भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के माध्यम से प्रेषित कर विश्व संगठन के कोष में वृद्धि कर सकते हैं, जहाँ से इस दिन एकत्रित किया हुआ हमारा अंशदान विश्व संस्था 'वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्काउट मूवमेन्ट' (WOSM) एवं 'वर्ल्ड एसोसियेशन ऑफ गर्ल गाइड एण्ड गर्ल स्काउट' (WAGGGS) के द्वारा विभिन्न रूपों में उपयोग में आता है।

'22 फरवरी' का दिन संस्थापकों के प्रति विश्व के स्काउट्स व गाइड्स के द्वारा स्नेह तथा सम्मान अभिव्यक्त करने का और विश्व संस्था के विकास में आर्थिक अंशदान देकर उसे सुदृढ़ बनाने का दिन है। यह दिन है अपने विचारों में चिन्तन करने का, विशेष कर विश्व के उन स्काउट्स गाइड्स के बारे में, जिन्हें हमने कभी नहीं देखा है लेकिन हमारे दिलों में उनके प्रति घनिष्ठ स्नेह है।

इस दिन '22 फरवरी' को जब हम विश्व स्काउट दिवस मना रहे होते हैं, उस समय हम विश्व चीफ स्काउट और विश्व चीफ गाइड को याद कर उनकी जीवनी, कार्यों–सेवाओं और समर्पण को जन समुदाय में चर्चा कर अपनी स्काउट गाइड प्रतिज्ञा को पुनः स्मरण करते हैं। इस पावन दिवस को प्रत्येक राज्य, जिला, स्थानीय ईकाई और पूरा राष्ट्र '22 फरवरी' का समारोह आयोजित करने में अपने आप को गौरवान्वित मानता है।

654, विवेक विहार, अलवर

फार्म – 4

RNI No. - RAJ BIL/2000/1835

1.	प्रकाशन स्थान	जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	हरिहर प्रिन्टर्स जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	हरिहर प्रिन्टर्स जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर
4.	प्रकाशक का नाम	राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर–302015
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 (राजस्थान)
5.	सम्पादक का नाम	डॉ. पी.सी. जैन
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 (राजस्थान)
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पता जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर – 302015

मैं डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

डॉ. पी.सी. जैन
प्रकाशक एवं सम्पादक के हस्ताक्षर

मुझे भी कुछ कहना है

वो सुनहरे सात दिन

नैना शर्मा
छात्राध्यापिका - श्री नारायण
टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, कुचामनसिटी

सैर कर गाफिल जिंदगानी फिर कहां,
जिंदगानी गर रही तो नौजवानी फिर कहां।।

मैं नैना शर्मा, शिक्षा नगरी कुचामन डीडवाना क्षेत्र के एक गांव कुकनवाली से संबंध रखती हूं। मेरी शैक्षणिक उपलब्धियों के चलते D El Ed कोर्स के अन्तर्गत मुझे स्काउटिंग जैसे राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन से जुड़ने का सुअवसर प्राप्त हुआ। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के निर्देशन में जिला मुख्यालय नागौर के तत्वावधान में BSTC स्काउट गाइड ग्रुप शिविर का आयोजन दिनांक 26 दिसंबर 2023 से 1 जनवरी 2024 तक राजस्थान के नागौर जिले के जिला प्रशिक्षण केंद्र ताऊसर में आयोजित किया गया। इस अध्ययन शिविर में लगभग 165 स्काउट्स एवं गाइड्स ने सहभागिता की। इस शिविर के संचालन की जिम्मेदारी सहायक लीडर ट्रेनर सुभाष पारीक जी के निर्देशन में उनकी कर्तव्यनिष्ठ एवं कार्यकुशल टीम ने बखूबी निभाई।

स्काउटिंग आंदोलन के सप्त दिवसीय शिविर में प्रतिभागी बनने व उसके अनुभवों को व्यक्त करने का अवसर मिलना मेरे लिए अत्यन्त गौरव का विषय रहा। शिविर का प्रथम दिन अपरिचित लोगों के साथ व्यतीत करना अत्यन्त चुनौतीपूर्ण था, लेकिन शिविर के सभी संभागियों का आपसी तालमेल सम्पूर्ण शिविर में गहरी मित्रता में परिवर्तित हो गया।

शिविर के दौरान दैनिक गतिविधियों में बीपी सिक्स, सेवा कार्य, ध्वजारोहण, निरीक्षण, खेल, शिविर ज्वाल, प्रार्थना जैसे सभी कार्यक्रम योजनाबद्ध व सुव्यवस्थित थे। शिविर के इन नियमित कार्यक्रमों से मुझे समयबद्धता, अनुशासन, आपसी सहयोग जैसे जीवन के मूल गुणों को विकसित करने में सहायता मिली। शिविर के सभी कार्यक्रम संभागियों में नेतृत्व क्षमता के साथ–साथ सेवा व सहयोग की भावना का विकास करने पर केन्द्रित थे। स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ व्यक्तित्व का विकास होता है। इसका अभ्यास हमें शिविर के अन्तर्गत प्रातःकालीन व्यायाम और योगासन के सत्र से कराया गया। पाठ्येत्तर गतिविधियों के अन्तर्गत अनुभवी व कुशल स्काउटर्स द्वारा हमें प्राथमिक उपचार, प्रगतिशील कार्यक्रम, नेतृत्व क्षमता, कंपास, दिशा ज्ञान, खोज चिह्न, हाइकिंग, अनुमान लगाना जैसे अनेक विषयों की जानकारी दी गई। शिविर गतिविधियों में एक अहम भूमिका निभाने वाली कक्षाओं में स्काउट आंदोलन की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि और उसके गौरवपूर्ण इतिहास को जानकर खुद पर गर्व हुआ कि हम दुनिया के सबसे बड़े गणवेषधारी संगठन का सदस्य बन रहे हैं। शिविर में प्रतिदिन के विभिन्न कार्यक्रमों में शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए असली वीर, और बताओ करें क्या हम, नेता नेता चाल बदल, राम रावण, छूत की बीमारी जैसे अनेक मनोरंजक खेल खिलवाये गये। इन खेलों से हमारी धुंधली हुई बचपन की यादें पुनः स्मरण हो आयी। इन सभी प्रकार की रोचक क्रियाओं से शिविर के तीसरे दिन तक तो हमें शिविर से अत्यधिक जुड़ाव होने लगा। इसके साथ ही स्काउट के आदर्श वाक्य 'तैयार रहो' के द्वारा हमें जीवन के लक्ष्यों के प्रति सदैव सक्रिय व क्रियाशील रहने की सीख मिली।

इस सप्त दिवसीय शिविर में नागौर, अजमेर, डूंगरपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, जैसलमेर, बाड़मेर के मूल निवासी संभागी शामिल हुए थे। वहीं शिविर के पूर्णतया आवासीय होने के कारण सभी संभागी पूरी शिविर अवधि में वहीं साथ रहे, जिससे हमने राजस्थान की अनेक सांस्कृतिक विविधताओं को निकट से जाना एवं सांस्कृतिक आदान प्रदान किया। इसी के साथ कैम्प फायर के दौरान भी हमें राज्य के विभिन्न लोकगीतों, लोकनृत्यों, निनाद के द्वारा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरुक किया गया। शिविर परिसर में प्रशिक्षकों द्वारा भोजन व आवास की उत्तम व्यवस्था कमरों एवं टेंट में की गई थी। शिविर में सभी गाइड्स की सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया।

शिविर की सात दिनों की अवधि में प्रशिक्षण लेने आए सभी संभागी खुद को भाग्यशाली मान रहे थे कि उन्हें अपने व्यक्तित्व विकास हेतु इस प्रकार का प्रशिक्षण मिल रहा है। शिविर के दौरान शिविर संचालक सुभाष जी पारीक के मार्गदर्शन में मुझे मंच संचालन की झिझक को दूर करके पब्लिक स्पीकिंग स्किल को विकसित करने का मौका मिला। हमारे शिविर का अवलोकन करने के लिए नागौर स्काउट सी.ओ. मोहम्मद अशफाक पंवार, लीडर ट्रेनर राजेंद्र प्रसाद आचार्य और लीडर ट्रेनर शैलेष कुमार पलोड़ भी पधारे। आपका ओजस्वी संबोधन शिविरार्थियों के तन, मन में एक नई ऊर्जा का संचार करने वाला था। शिविर के सातवें दिन विदाई के समय तो कैम्प मे शामिल ही ना होने की इच्छा रखने वाले संभागी भी बस यही कह रहे थे कि यह स्काउटिंग का शिविर तो गजब का होता है। ऐसे शिविर आगे भी करने के मौके हमें मिलेंगे तो हम जरूर उसका हिस्सा बनेंगे।

अंतिम दिवस सर्वधर्म प्रार्थना सभा, दोपहर का भोजन, अन्तिम वार्ता व राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ। अन्तिम समय विदाई की अनुपम बेला में स्काउट्स व गाइड्स की आँखों में बिछुड़ने का गम, वो खुशी के बिताये चंद लम्हे, वो खूबसूरत पल सबको रह–रहकर याद आ रहे थे। संचालक दल ने सभी को ससम्मान विदाई दी और सभी प्रशिक्षण से सीखे गए नए कौशल और एक दूजे से बिछड़ने के गम में अपने उदास चेहरों के साथ अपने घर को रवाना हो गये। शिविर समापन के उपरान्त मैं स्वयं को राष्ट्र निर्माण हेतु सुयोग्य नागरिक व राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक मानती हूँ। मैं शिविर के सभी संभागियों की ओर से शिविर संचालक व उनकी पूरी टीम को साधुवाद देना चाहती हूँ, जिन्होंने हमारे इस शिविर को सदा के लिए यादगार बना दिया। अब अन्त में, मैं अपनी कलम को विराम देती हुई ये कहती हुँ कि

हम युवा देश की ताकत हैं,
परिवर्तन लाकर मानेंगे,
कर दंगे ऐसे काम जिन्हें,
सब मील का पत्थर जानेंगे।
कृषकाय नहीं हो पायेगा,
ये वतन सहस्त्र वर्षों तक,
नवभारत को दुनिया वाले,
चिर युवा नाम से जानेंगे।।

धन्यवाद,

जय हिन्द, शुभ स्काउटिंग।।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

बीकानेर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में कब यूनिट लीडर, स्काउट यूनिट लीडर, गाइड कैप्टिन, रोवर लीडर एवं रेंजर लीडर बेसिक कोर्स का आयोजन 11 से 17 जनवरी तक स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, भालेरी रोड, चूरू पर किया गया। इन प्रशिक्षण शिविरों में जिन विद्यालयों में स्काउट यूनिट पंजीकृत नहीं हैं अथवा यूनिट पंजीकृत है किन्तु स्काउटर गाइडर प्रशिक्षित नहीं हैं, उन विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं ने सम्मिलित होकर प्रशिक्षण प्राप्त

किया। शिविराधिपति एवं सी.ओ. स्काउट महिपाल सिंह तंवर ने बताया कि कब यूनिट लीडर बेसिक कोर्स में 25 संभागी ने श्री सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में, स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स में 40 संभागी, गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स में 33 संभागी ने श्रीमती माला शेखावत के नेतृत्व में, रोवर लीडर बेसिक कोर्स में 16 संभागी ने श्री मुकेश चन्द सैनी के नेतृत्व में एवं रेंजर लीडर बेसिक कोर्स में 11 संभागी ने श्रीमती निर्मला माथुर के नेतृत्व में स्काउट गाइड की विभिन्न विधाएँ एवं कौशल का प्रषिक्षण प्राप्त किया। शिविर में नियम प्रतिज्ञा, स्काउटिंग का इतिहास, स्काउटिंग के आधारभूत सिद्धान्त, कम्पास व दिशाज्ञान, प्राथमिक चिकित्सा, पायनियरिंग आदि विषयों का प्रशिक्षण जिले के दक्ष प्रशिक्षक नरेश कुमार राय सत्यनारायण स्वामी, ओम प्रकाश मेघवाल, मनी राम, गोपाल लाल बैरवा, सुरेश सिंह शेखावत, राधेश्याम शर्मा, जय सिंह, डॉ. बबीता, विमल कुमार शर्मा, ओम प्रकाश खोवासर, श्रीमती बबीता, श्रीमती प्रेमलता, श्रीमती अर्मला आदि द्वारा दिया गया। शिविर का संचालन सहायक लीडर ट्रेनर श्री शब्बीर खान एवं रोशन खान द्वारा किया गया। नरेश कुमार राय ने अतिथि प्रशिक्षक के रुप में उपस्थित होकर सिग्नेलिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया।

भरतपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर का सात दिवसीय स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स दिनांक 10 से 16 जनवरी 2024 तक मण्डल मुख्यालय भरतपुर पर संचालित किया गया। कोर्स के पांचवें दिवस आलोक शर्मा सहायक स्टेट कमिश्नर ने विजिट कर शिविर आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालकर प्रशिक्षण लेने के बाद विद्यालय स्तर पर स्काउट गाइड गतिविधि के विकास एवं विस्तार हेतु स्काउट यूनिट को सक्रिय करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि स्काउट यूनिट लीडर स्काउटिंग की धूरी है। बेसिक कोर्स का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अध्यापक आगामी प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेकर अपनी योग्यता वृद्धि करें तथा अपने विद्यालय के स्काउट्स को भी आगे बढ़ाने की

जिम्मेदारी लेवें। उन्होंने समाज सेवा एवं सामुदायिक सेवा की चर्चा करते हुए सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जन चेतना लाने के लिए प्रेरणा स्रोत बनने का आह्वान किया। रामजस लिखाला सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट ने शाब्दिक स्वागत किया। हीरालाल रावत शिविर संचालक ने स्कार्फ पहनाकर तथा शिविर संभागियों ने बुके प्रदान कर स्नेह प्रकट किया। देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ. स्काउट ने आभार प्रकट किया। बलराज सिंह सहायक लीडर ट्रेनर ने कार्यक्रम का संचालन किया। स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स में 54 अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जयपुर मण्डल

◈ दौसा जिले में स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स अंबेडकर भवन लालसोट में शिविर के चतुर्थ दिवस प्रथम प्रहर में संभागियों द्वारा गैजेट्स बनाए गए। इस दौरान शिविर में पधारी मुख्य अतिथि जिला गाइड कमिश्नर श्रीमती अंजना त्यागी ने सभी संभागियों द्वारा बनाये गये गैजेट्स का निरीक्षण किया तथा उन्हें स्काउटिंग के प्रति जागरूक रहने तथा स्काउटिंग को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गैजेट्स बनाने में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टोलियों को ध्वज पताका भेंट कर उत्साहवर्धन किया। इसके बाद सहायक संचालक सुरेश चन्द्र शर्मा प्री–एएलटी द्वारा

द्वितीय सोपान की गांठों का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सी.ओ. स्काउट प्रदीप सिंह, शिविर संचालक स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स रामावतार शर्मा एएलटी स्काउट, सहायक संचालक सुरेश चन्द्र शर्मा प्री–एएलटी, शिविर संचालिका गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स परमेश्वरी चारण एएलटी गाइड, जिला बुलबुल कमिश्नर श्रीमती निर्मला पारिक, बीना मीना गाइड कैप्टन, स्थानीय संघ सचिव श्रीकांत शर्मा, राष्ट्रपति स्काउट बलराम मीना, राज्य पुरस्कार रोवर नितेश कुमार मीना, हर्ष शर्मा, लोकेश, अजय, मनीष, राजेन्द्र, हेमन्त, श्याम सुंदर, नितिन टाटा, कुलदीप तथा रेंजर किरण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

◈ सीकर के कंवरपुरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम बुधवार आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्काउट्स ने शानदार सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर धोद विधायक श्री गोवर्धन वर्मा ने सरकार की विभिन्न योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने

और उनसे समाज के हर वर्ग को लाभ दिलवाले का संकल्प किया तथा 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर पंचायत की विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, जिसमें उन्नत खेती किसानी प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पालवास विद्यालय के स्काउट मास्टर श्री मुकेश भूकर ने बताया कि इस अवसर पर पालवास विद्यालय के स्काउट्स ने अतिथियों का स्वागत सत्कार कर गार्ड ऑफ ऑनर दिया तथा शिविर की व्यवस्था बनाने एवं आमजन को हर विभाग में सुविधाओं के लिए सहयोग किया। उल्लेखनीय है कि पालवास विद्यालय के स्काउट और मुकेश कुमार ने हाल ही में जोधपुर में आयोजित हिमालय वुड बैज प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस अवसर पर कंवरपुरा पंचायत सरपंच श्री गोवर्धन बाजिया, धोद सीबीईईओ एवं प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट सीताराम खारिया, एसीबीईईओ एवं सहायक जिला कमिश्नर स्काउट महेंद्र कृष्णियां, प्रधानाचार्य कमला गर्वा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पालवास के प्रधानाचार्य श्री सुरेंद्र कुमार बुनकर आदि उपस्थित थे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 23 जनवरी को जिला स्टेडियम पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती राजवीर सिंह शेखावत के सान्निध्य में समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अतिथियों के साथ स्काउट गाइड सदस्यों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूप दीप कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्काउट कवि

ओम अलवरिया अंबेडकर राजकीय छात्रावास सीकर, नागेन्द्र मीणा नवज्योति स्कूल सीकर, दक्ष मीणा ज्ञान देव पब्लिक स्कूल सीकर, खुशनुमा गाइड राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस पर देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी।

श्री शेखावत ने कहा कि नेताजी ने देश की आजादी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सब स्काउट गाइड एवं अन्य छात्र–छात्राओं में देशभक्ति का जज्बा हमेशा बना रहना चाहिए। इसके साथ ही इस अवसर पर देवीलाल जाट, ओमप्रकाश रेगर, मोहनलाल सुखाड़िया, सुनीता पारीक, श्यामरथ ने नेताजी के जन्म दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने नेताजी के जीवन से शिक्षा लेते हुए आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

जोधपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में नेशनल ग्रीन कोर योजनांतर्गत इको क्लब गतिविधियों के तहत 12 जनवरी को स्काउट व रोवर द्वारा बजरंगबाड़ी परिक्षेत्र में विभिन्न मोहल्लों में स्वच्छता कार्यक्रम और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट

गोविन्द मीना ने बताया की रैली में मोहन सिंह राठौर यूनिट लीडर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाबर के निर्देशन में जन जागरूकता के नारे लगाते हुए विभिन्न मोहल्लों का भ्रमण किया तथा लोगों को कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ी में ही कचरा डालने की अपील की तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा अपने आवास के आसपास क्षेत्र में गंदगी नहीं करने की हिदायत देते हुए समझाइश की। इस अवसर पर प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील करते हुए लोगों को कपड़े के थैले वितरित किए।

पर्यावरण स्वच्छता रैली में 100 से अधिक रोवर स्काउट ने भाग लिया तथा रैली आयोजन में प्रदीप कुमार शर्मा, प्रभु राम प्रजापत, कैलाश कुमार, महेंद्र कुमार, दिनेश कुमार आदि ने सहयोग प्रदान किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 10 से 12 जनवरी 2024 तक तीन दिवसीय मंडल स्तरीय राज्य पुरस्कार रोवर एवं स्काउट जाँच शिविर का 12 जनवरी को समापन किया गया। शिविर में 61 संभागियों ने सहभागिता की। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त एवं रोवर शिविर के मुख्य परीक्षक बाबू सिंह राजपुरोहित ने सभी संभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति अवार्ड के लिए पाठ्यक्रम और सेवा कार्यों तथा आवश्यक शिविरों आदि की जानकारी प्रदान की। स्काउट शिविर के मुख्य परीक्षक अनिल कुमार शर्मा ने स्काउट रोवर को प्रवेश से लेकर राष्ट्रपति अवार्ड के पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला तथा विभिन्न दक्षता बैज एवं राष्ट्रपति अवार्ड की प्रवेश परीक्षा, रीजनल लेवल की परीक्षा, राष्ट्रीय लेवल की परीक्षा एवं कंप्यूटर बेस्ड ऑनलाइन टेस्ट के बारे में जानकारी प्रदान की तथा रोवर लीडर प्रभु प्रजापत ने एडवेंचर गतिविधियों, वन एवं पर्यावरण का जीवन में महत्व तथा स्काउटिंग से जुड़े दक्षता बैज की जानकारी प्रदान की। स्काउट यूनिट लीडर मोहन सिंह राठौड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं शिविर संचालक पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली द्वारा 4 से 6 जनवरी तक आयोजित तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर के अंतर्गत शिविर में भाग ले रहे 55 स्काउट गाइड और रोवर रेंजर ने 5 जनवरी को विभिन्न प्राकृतिक स्थलों का अवलोकन किया। भ्रमण हेतु बस को सी.ओ. स्काउट व गाइड द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीना ने बताया कि शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने शिविर संचालक मोहन सिंह राठौड़ के निर्देशन में सर्वप्रथम पाली से बस द्वारा यात्रा करते हुए आशापुरा माताजी नाडोल के दर्शन किये। तत्पश्चात वहां से रवाना होकर दोपहर बाद रणकपुर जैन मंदिर के दर्शन किए तथा आसपास की वनस्पति और जंगल का भ्रमण किया। स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने प्राकृतिक स्थल का अवलोकन कर अपने अनुभवों को नोटबुक में दर्ज किया। सी.ओ. गाइड डिम्पल दवे ने बताया कि रणकपुर के बाद स्काउट गाइड ने जवाई बांध पाल से जवाई बांध को निहारा तथा बांध की विशालता और अथाह पानी को देखकर स्काउट गाइड आश्चर्यचकित हुए।

संभागियों ने जवाई बांध पर स्थित गुलाब बाग का भ्रमण भी किया तथा गुलाब बाग से पॉलीथिन और कचरा उठाकर एकत्र करने हेतु श्रमदान किया। इसके पश्चात आसपास के वातावरण जंगल और गार्डन में स्थित विभिन्न पेड़ पौधों फूल और वनस्पति के बारे में जानकारी प्राप्त की। शिविर के संभागियों को सहायता हेतु प्रशिक्षक प्रदीप कुमार शर्मा, बलवीर पारगी, मोहन सिंह राठौड़, जोधराज, कुलदीप सिंह आदि ने सहयोग प्रदान किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित ऊर्जा संरक्षण कार्यशाला दिनांक 18 जनवरी, 2024 को रिचेश्वर महादेव नादिया में सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा के सान्निध्य में आयोजित की गई। स्थानीय संघ पिंडवाड़ा के

300 स्काउट गाइड, रोवर रेंजर एवं इको क्लब के सदस्य सम्मिलित हुए। इस कार्यशाला में उपस्थित स्काउट गाइड और रोवर रेंजर एवं इको क्लब सदस्यों को ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता विषय पर वार्ता दी गई। ऊर्जा संरक्षण पर निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें सफल संभागियों को जिला मुख्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय संघ सचिव मूल सिंह भाटी ने किया।

कोटा मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत स्थानीय संघ अंता के सहयोग से 20 जनवरी को जल संरक्षण तथा जल प्रदूषण पर रोक विषय पर संकल्प एकेडमी विद्यालय के प्रांगण में सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा के संचालन में एक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में गीतिका शर्मा कृषि वैज्ञानिक एवं हरिप्रकाश कहार कॉर्डिनेटर कृषि विज्ञान केंद्र ने जल संरक्षण करने पर अपने विचार व्यक्त किये। संगोष्ठी को कोटा मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने स्काउट संगठन द्वारा पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण ऊर्जा संरक्षण एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाने जैसे विषयों के बारे में वर्चुअली विस्तार से जानकारी देते हुए संगठन के नीति नियम सिद्धांतों से अवगत करवाया। वार्ता के दौरान रमेश खंगार ने स्काउट गाइड के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर कार्य करने की महत्ता को

बताया। प्रारंभ में स्थानीय संघ की संयुक्त सचिव सुरभि खंडेलवाल ने सभी का स्काउट गाइड पद्धति से स्वागत किया। संकल्प अकेडमी के निर्देशक हरिप्रकाश एवं राधा रानी ने शाब्दिक स्वागत करते हुए विद्यालय में स्काउट गाइड संगठन के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण के साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के कार्यक्रमों को अनवरत रूप से जारी करने का आह्वान किया। संगोष्ठी उपरांत बालक बालिकाओं ने जल संरक्षण पर पोस्टर बनाकर आम जन को जल संरक्षण का संदेश प्रदान किया। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ही एक जल संरक्षण रैली का आयोजन किया गया। श्री चित्तौड़ा द्वारा आमजन को जल संरक्षण एवं जल प्रदूषण रोकने का आह्वान करते हुए सभी को संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर सी. ओ. गाइड सुनीता मीणा ने सभी को जीवन में सेवा कार्य करने का आह्वान करते हुए स्काउट गाइड संगठन से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में कमलेश मीणा, दीपक शर्मा, कपिल प्रजापति एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ का सक्रिय सहयोग रहा।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, उदयपुर पर जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर 13 से 15 जनवरी 2024 का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। शिविर के प्रथम दिन प्रथम सत्र में 'धरती हमें देती है सब कुछ' विषयक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। द्वितीय सत्र में राजस्थान महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय में डा. धर्मपाल सिंह डूडी रोवर लीडर के नेतृत्व में फार्म हाउस, मौसम की जानकारी, विभिन्न कीट पतंगों, फार्मिंग, जलवायु परिवर्तन अनुमान आदि की एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के अलग–अलग

फार्म हाऊस की विजिट करवाकर विस्तृत जानकारी दी तथा स्काउट्स गाइड्स के प्रश्नोत्तरी और जिज्ञासाओं को शांत किया। सायंकाल सत्र में संभागी स्काउट्स गाइड्स को विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक पिछोला लेक, जगदीश मंदिर और उदयपुर के पर्यटन स्थलों का अवलोकन करवाया गया।

शिविर में संभागियों को टी शर्ट, कैप, पिट्ठू बैग, डायरी, पैन, वाटर बोटल, कलर, ड्राइंग शीट, ज्योमेट्री इंस्ट्रूमेंट्स, इको क्लब निर्देशिका आदि भेंट की गई।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, चित्तौड़गढ़ द्वारा पीईईओ क्षेत्र शम्भुपुरा सेमलिया, चिकसी, अरनियां पंथ, जालमपुरा, सामरी, सावा के 165 स्काउट गाइड के तृतीय सोपान प्रशिक्षण एवं परिक्षण शिविर का आयोजन सामरी स्थित हनुमान व्यायाम शाला में किया गया। स्थानीय संघ सचिव पंकज दशोरा ने बताया की प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में स्थानीय संघ की योजनानुसार यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर के द्वितीय दिवस तहसीलदार हेमेन्द्र कलाल के मुख्य आतिथ्य, पीईईओ मोहम्मद अयुब की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथ कैलाश चंद गुर्जर संस्थापक अध्यक्ष एवं संरक्षक हनुमान व्यायाम शाला

सामरी के सान्निध्य में ध्वजारोहरण किया गया। स्वागत अन्तर्गत उपस्थित अतिथियों को स्काउट गाइड परम्परानुसार स्कार्फ धारण कराये गये व पूर्व सचिव देवकीनन्दन वैष्णव द्वारा स्वागत उद्बोधन तथा पूर्व सचिव राजकुमार सुखवाल द्वारा शिविर की जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर तहसीलदार चित्तौड़गढ़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन से ही प्रगति के मार्ग खुलते हैं। पीईईओ ने निज पर शासन व अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विशिष्ट अतिथि ने जीवन की सफलता के लिए अनुशासन को जीवन में आत्मसात करने की अनिवार्यता पर बल दिया। इस प्रशिक्षण शिविर में स्काउट गाइड पाठ्यक्रम, प्राथमिक चिकित्सा, गांठे, नियम प्रतिज्ञा, प्रार्थना, सिद्धान्त, उद्देश्य, पायनियरिंग, अनुशासन, स्वावलम्बन, साहस, नेतृत्व, मैत्री भाव, भाई–चारा, सहिष्णुता, विश्वबन्धुत्व, बैज प्रणाली, टोली विधि, खोज के चिन्ह, ध्वज शिष्टाचार, राष्ट्र गान व गीत का प्रशिक्षण दिया गया। स्काउट शिविर का संचालन पंकज दशोरा व प्रशिक्षक राजकुमार सुखवाल, देवकीनन्दन वैष्णव, तथा गाइड शिविर के सुषमा पुरोहित व प्रशिक्षक निर्मला कुमावत आदि उपस्थित रहें। अतिथियों का आभार रोवर लीडर हेमेन्द्र कुमार सोनी ने व्यक्त किया तथा संचालन स्थानीय संघ सचिव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त रोवर भगवती लाल शर्मा, सत्यनारायण बारेठ, अनिल दक, गणेश लाल धोबी, आशा लोट, राजसिंह चौहान, रिंकू महला, आशा अटवाल, अनिता खटीक, अनिता वैष्णव, भारती जैन, मनीषा कुमारी शर्मा, कालु लाल नायक, शंकर लाल जटिया, मुकेश कुमार खटीक, देवेन्द्रसिंह सोलंकी, माधू लाल जटिया आदि उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द एवं शिक्षा विभाग राजसमन्द के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय स्काउट मास्टर गाइड केप्टिन बेसिक कोर्स का सहायक राज्य संगठन आयुक्त मंडल उदयपुर प्रमोद शर्मा ने अवलोकन कर शिविर की भूरी–भूरी प्रशंसा की। सी.ओ. गाइड राजसमन्द अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि स्काउट मास्टर गाइड केप्टिन बेसिक कोर्स 08 से 14 जनवरी कृषि विज्ञान केन्द्र के पास स्थित प्रांगण में आयोजित किया गया।

सर्वप्रथम संभागी स्काउटर गइडर ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत अभिनंदन किया तत्पश्चात स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने शॉल व स्थानीय संघ सचिव रामसिंह चौहान ने प्रसादी ईकलाई व एलओसी कैलाश गौड़ ने मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने संभागी स्काउटर गाइडर से रूबरू होकर शिविर की वस्तु स्थिति को जांचा परखा व अपने उद्बोधन से स्काउटर गाइडर्स को लाभान्वित किया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि इस स्काउट मास्टर गाइड केप्टिन बेसिक कोर्स में राजसमन्द जिले के आठों ब्लॉक राजसमन्द, नाथद्वारा, रेलमगरा, भीम, देवगढ़, आमेट, कुम्भलगढ़ व देलवाड़ा के 24 स्काउटर व 15 गाइडर ने भाग लिया, जो अपने–अपने विद्यालय में बालक बालिकाओं को संख्यात्मक एवं गुणात्मक प्रगति को बढ़ाने के साथ ही बालक बालिकाओं को प्रथम सोपान, द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान, राज्यपाल पुरस्कार, राष्ट्रपति पुरस्कार, एडवेन्चर केम्प, राज्य एवं राष्ट्रीय जम्बुरी में सम्मिलित कराकर एक अनुकरणीय कार्य करेंगे। शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ हुआ।

- राजसमंद जिला परिक्षेत्र के समीपवर्ती ग्राम पंचायत कुंचौली में विकसित भारत संकल्प यात्रा दिनांक 16 दिसंबर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक के तहत पंचायत समिति कुम्भलगढ की ग्राम पंचायत कुंचौली में शिविर संपन्न हुआ। राजकीय उच्च

माध्यमिक विद्यालय कुंचौली के शारीरिक शिक्षक व सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट के नेतृत्व में स्काउट्स द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों, राज्य स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों, राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट, सांस्कृतिक कार्यक्रम की छात्राओं तथा गत सत्र में प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मोमेंटो शिविर में अतिथियों द्वारा प्रदान किये गए।

शिविर में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्राम वासियों को शिविर में जानकारी प्रदान की गई। सभी विभागों के कर्मचारियों ने ग्राम वासियों के विभिन्न कार्यों को शिविर के दौरान ही संपन्न किए। शिविर में तहसीलदार विनोद जांगिड़, विकास अधिकारी मनवीर सिंह बेनीवाल, सीएमएचओ मस्तराम मीणा, पूर्व उप प्रधान निर्भय सिंह झाला, सरपंच निर्मला देवी भील, कमलेश प्रजापत, आर आई जय देव सिंह, सचिव गुड़िया देवी, रोशन लाल टांक, शारीरिक शिक्षक राकेश टॉक ने कार्यों को संपादित कर जानकारी प्रदान की। शिविर संचालन का कार्य प्रकाश चंद्र व स्काउटर राकेश टांक ने किया।

CELEBRATIONS DAYS : FEBRUARY-MARCH 2024

20 February	:	World Social Justice Day
21 February	:	International Mother Language Day
22 February	:	World Scout Day & Thinking Day
28 February	:	National Science Day
04 March	:	National Security Day
08 March	:	International Women Day
21 March	:	World forest Day
22 March	:	World Water Day
23 March	:	Shahid Diwas
30 March	:	Rajasthan Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

माता-पिता की सेवा ही सच्चा धर्म

प्रस्तोता– नेहा अग्रवाल

वैदिक काल से ही मनुष्य अपनी पाँच अवस्थाओं में जीवन को व्यतीत करता है। वह है– बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था, सबसे अन्तिम अवस्था है वृद्धावस्था। वृद्धावस्था जो बहुत तकलीफ देने वाली अवस्था है। आज के युग में मनुष्य स्वयं अपने माता–पिता को वृद्धावस्था में अकेला छोड़ देता है या उन्हें वृद्धा आश्रम में भेज देता है। ऐसा क्यों होता है? यह व्यक्ति स्वयं भी नहीं जानता। लेकिन व्यक्ति शायद यह भूल गया है कि अगर आज वह युवावस्था या प्रौढ़ावस्था में जी रहा है तो भविष्य में वो भी तो वृद्धावस्था में प्रवेश करेगा। लेकिन इस विषय पर व्यक्ति ज्यादा सोचते नहीं है। शायद वह अपनी नादानी में भूल चुके हैं कि वर्षों पहले श्रवण के माता–पिता वृद्धावस्था में होने के साथ–साथ अन्धे भी थे, लेकिन श्रवण ने उन्हें अपने कन्धों पर तराजू में बिठाकर उनकी यात्रा पूर्ण कराकर अपना पुत्र धर्म निभाया था। लेकिन आज के युवा अपना पुत्र धर्म भूल चुके हैं। आधुनिक युग में सरकार वृद्धों के संरक्षण के लिए आए दिन एक न एक वृद्धा आश्रम खुलवा रही है, लेकिन यह बात उन व्यक्तियों के लिए लज्जा की बात है जो सारी सुख–सुविधाएं होने के बावजूद अपने माता–पिता को वृद्धा आश्रम भेज रहे हैं।

हमें उनकी सहायता करनी चाहिए तथा उनके परिजनों को यह एहसास कराना चाहिये कि वे अपने हाथ से कितनी मूल्यवान धरोहर खो रहे हैं। बड़े–बुजुर्ग परिवार की छत व ज़मीन दोनों होते हैं। यदि घर–परिवार में छत व ज़मीन न हो तो वह परिवार नहीं कहलाता है, वह तो सिर्फ ईंटों का मकान बन कर रह जाता है। सरकार ने वृद्धों के संरक्षण के लिए तो कुछ कानून भी लागू किये हैं।

शास्त्रों में लिखा गया है –'माता–पिता की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है।'

सरूपगंज (सिरोही)

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'खिलाड़ी' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

खिलाड़ी
ATHLETE

खेल–कूद किसे पसंद नहीं होता। बचपन में जब कोई बच्चा खेलता कूदता है तब तो उसे इन खेलों का मूल्य अथवा महत्व भी पता नहीं होता। फिर भी वह खेलों के माध्यम से नई–नई बातें सीखता और विकसित होता है।

खेलों का तो हमारे स्वास्थ्य से भी गहरा नाता है। तभी तो इसे प्राचीन काल से जिन्दगी जीने का आधार माना जाता रहा है। पर खेल के महत्व और इनसे होने वाले लाभों को हम अकसर नजरअंदाज कर देते हैं। स्वास्थ्य से जुड़ी एक पुरानी कहावत है कि "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है"। यदि शरीर स्वस्थ नहीं है तो, मन भी स्वस्थ नहीं हो सकता। जब मन रोगी होगा तो नाना प्रकार की व्याधायें जीवन भर संत्रस्त करती रहेंगी। अतः मन को स्वस्थ रखने हेतु शरीर का स्वस्थ होना जरुरी है और शरीर को स्वस्थ रखने हेतु खेल से बढ़कर अन्य कोई साधन लाभकरी नहीं हो सकता है।

खेलों के महत्व को देखते हुए ही स्काउटिंग में खेल व खिलाड़ी को विशेष महत्व दिया गया है और दक्षता पदक में इसे सम्मिलित किया है। 'खिलाड़ी दक्षता बैज' के लिए निम्नानुसार परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होगी –

1. ठीक ढंग से बैठना, खड़ा होना, चलना, दौड़ शुरू करने का सही प्रदर्शन करना।
2. उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त करने और घर से बाहर नियमित रूप से किये जाने वाले शारीरिक व्यायाम का प्रमाण प्रस्तुत करें।
3. निम्नलिखित आयु समुह में से अपनी आयु के अनुसार निश्चित जांचों में निर्देशित अंक प्राप्त करें। 12 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु–समुह के लिए दिए गए बिन्दुओं के आधार पर अपनी आयु के अनुसार किन्ही चार जांचों में निश्चित अंक प्राप्त करें।

आयु	12 वर्ष	13 वर्ष	14 वर्ष
अंक	26 अंक	30 अंक	36 अंक

		सामान्य स्तर 6 अंक	स्तर प्रथम स्तर 8 अंक	विशेष स्तर 10 अंक
(1)	100 मीटर की दौड़	16 सैकण्ड में	15 सैकण्ड में	14 सैकण्ड में
(2)	800 मीटर की दौड़	2 मिनट 46 सैकण्ड में	2 मिनट 43 सैकण्ड में	2 मिनट 40 सैकण्ड में
(3)	दौड़ते हुए ऊँची कूद	1.06 मीटर	1.13 मीटर	1.20 मीटर
(4)	दौड़ते हुए लम्बी कूद	3.80 मीटर	4.10 मीटर	4.40 मीटर
(5)	क्रिकेट गेंद फेंकना	35 मीटर	41.00 मीटर	46.00 मीटर
अथवा –	8.1 पौंड का गोला फेकना	6.10 मीटर	7.62 मीटर	8.53 मीटर

आयु	15 वर्ष	16 वर्ष	17 वर्ष
अंक	40 अंक	45 अंक	50 अंक

		सामान्य स्तर 8 अंक	स्तर प्रथम स्तर 10 अंक	विशेष स्तर 12 अंक
(1)	100 मीटर की दौड़	15 सैकण्ड में	14 सैकण्ड में	13 सैकण्ड में
(2)	800 मीटर की दौड़	3 मिनट 20 सैकण्ड में	3 मिनट 10 सैकण्ड में	2 मिनट 40 सैकण्ड में
(3)	दौड़ते हुए ऊँची कूद	104.14 से.मी.	121.92 से.मी.	137.16 से.मी.
(4)	दौड़ते हुए लम्बी कूद	3.66 मीटर	3.96 मीटर	4.47 मीटर
(5)	क्रिकेट गेंद फेंकना	38.10 मीटर	47.22 मीटर	50.96 मीटर
अथवा–	13 पौंड का गोला फेकना	6.10 मीटर	7.62 मीटर	8.53 मीटर
(6)	दण्ड व बैठक लगाना	15 दंड (86 सैकण्ड में)	30 दंड (70 सैकण्ड में)	50 दंड (120 सैकण्ड में)

(स्कवाट ट्रस्ट* 30 से.में.) *पालथी मार कर बैठना तथा हाथों के सहारे बैठ–बैठ ही ऊपर उठना तथा नीचे आना*

शरीर की जैविक घड़ी

प्रातः 3 से 5 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से फेफड़ों में होती है। थोड़ा गुनगुना पानी पीकर खुली हवा में घूमना एवं प्राणायाम करना। इस समय दीर्घ श्वसन करने से फेफड़ों की कार्यक्षमता खूब विकसित होती है। उन्हें शुद्ध वायु (ऑक्सीजन) और ऋण आयन विपुल मात्रा में मिलने से शरीर स्वस्थ व स्फूर्तिमान होता है। ब्रह्म मुहूर्त में उठने वाले लोग बुद्धिमान व उत्साही होते हैं और सोते रहने वालों का जीवन निस्तेज हो जाता है।

प्रातः 5 से 7 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से आंत में होती है। प्रातः जागरण से लेकर सुबह 7 बजे के बीच मल–त्याग एवं स्नान कर लेना चाहिए। सुबह 7 के बाद जो मल–त्याग करते हैं उनकी आँतें मल में से त्याज्य द्रवांश का शोषण कर मल को सुखा देती हैं। इससे कब्ज तथा कई अन्य रोग उत्पन्न होते हैं।

प्रातः 7 से 9 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से आमाशय में होती है। यह समय भोजन के लिए उपयुक्त है। इस समय पाचक रस अधिक बनते हैं। भोजन के बीच–बीच में गुनगुना पानी (अनुकूलता अनुसार) घूँट–घूँट पिये।

प्रातः 11 से 1 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से हृदय में होती है। दोपहर 12 बजे के आस–पास मध्याह्न–संध्या (आराम) करने की हमारी संस्कृति में विधान है। इसीलिए भोजन वर्जित है। इस समय तरल पदार्थ ले सकते हैं। जैसे मट्ठा पी सकते हैं। दही खा सकते हैं ।

दोपहर 1 से 3 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से छोटी आंत में होती है। इसका कार्य आहार से मिले पोषक तत्वों का अवशोषण व व्यर्थ पदार्थों को बड़ी आँत की ओर धकेलना है। भोजन के बाद प्यास अनुरूप पानी पीना चाहिए। इस समय भोजन करने अथवा सोने से पोषक आहार–रस के शोषण में अवरोध उत्पन्न होता है इससे शरीर रोगी व दुर्बल होता है।

दोपहर 3 से 5 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से मूत्राशय में होती है। 2–4 घंटे पहले पिये पानी से इस समय मूत्र–त्याग की प्रवृति होती है।

शाम 5 से 7 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से गुर्दे में होती है। इस समय हल्का भोजन कर लेना चाहिए। शाम को सूर्यास्त से 40 मिनट पहले भोजन कर लेना उत्तम रहेगा। सूर्यास्त के 10 मिनट पहले से 10 मिनट बाद तक (संध्याकाल) भोजन न करें। शाम को भोजन के तीन घंटे बाद दूध पी सकते हैं। देर रात को किया गया भोजन सुस्ती लाता है यह अनुभवगम्य है।

रात्रि 7 से 9 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से मस्तिष्क में होती है। मस्तिष्क विशेष रूप से सक्रिय रहता है। अतः प्रातःकाल के अलावा इस काल में पढ़ा हुआ पाठ जल्दी याद रह जाता है। आधुनिक अन्वेषण से भी इसकी पुष्टी हुई है।

रात्रि 9 से 11 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से रीढ़ की हड्डी में स्थित मेरुरज्जु में होती है। इस समय पीठ के बल या बायीं करवट लेकर विश्राम करने से मेरूरज्जु को प्राप्त शक्ति को ग्रहण करने में मदद मिलती है। इस समय की नींद सर्वाधिक विश्रांति प्रदान करती है। इस समय का जागरण शरीर व बुद्धि को थका देता है। यदि इस समय भोजन किया जाय तो वह सुबह तक जठर में पड़ा रहता है, पचता नहीं और उसके सड़ने से हानिकारक द्रव्य पैदा होते हैं जो अम्ल (एसिड) के साथ आँतों में जाने से रोग उत्पन्न करते हैं। इस समय भोजन करना खतरनाक है।

रात्रि 11 से 1 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से पित्ताशय में होती है। इस समय का जागरण पित्त–विकार, अनिद्रा, नेत्र रोग उत्पन्न करता है व बुढ़ापा जल्दी लाता है। इस समय नई कोशिकाएं बनती है।

रात्रि 1 से 3 – इस समय जीवनीशक्ति विशेष रूप से लीवर में होती है। अन्न का सूक्ष्म पाचन करना यकृत का कार्य है। इस समय का जागरण यकृत (लीवर) व पाचन–तंत्र को बिगाड़ देता है। इस समय यदि जागते रहे तो शरीर नींद के वशीभूत होने लगता है, दृष्टि मंद होती है और शरीर की प्रतिक्रियाएं मंद होती हैं। इसी कारण इस समय सड़क दुर्घटनाएँ अधिक होती हैं।

ऋषियों व आयुर्वेदाचार्यों ने बिना भूख लगे भोजन करना वर्जित बताया है। अतः प्रातः एवं शाम के भोजन की मात्रा ऐसी रखें, जिससे ऊपर बताए भोजन के समय में खुलकर भूख लगे। जमीन पर कुछ बिछाकर सुखासन में बैठकर ही भोजन करें। इस आसन में मूलाधार चक्र सक्रिय होने से जठराग्नि प्रदीप्त रहती है। कुर्सी पर बैठकर भोजन करने में पाचनशक्ति कमजोर तथा खड़े होकर भोजन करने से तो बिल्कुल मंद हो जाती है। इसलिए 'बुफे डिनर' से बचना चाहिए।

पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र का लाभ लेने हेतु सिर पूर्व या दक्षिण दिशा में करके ही सोयें, अन्यथा अनिद्रा जैसी तकलीफें होती हैं। शरीर की जैविक घड़ी को ठीक ढंग से चलाने हेतु रात्रि को बत्ती बंद करके सोयें। इस संदर्भ में हुए शोध चौंकाने वाले हैं। देर रात तक कार्य या अध्ययन करने से और बत्ती चालू रख के सोने से जैविक घड़ी निष्क्रिय होकर भयंकर स्वास्थ्य–संबंधी हानियाँ होती हैं। अँधेरे में सोने से यह जैविक घड़ी ठीक ढंग से चलती है।

आजकल पाये जाने वाले अधिकांश रोगों का कारण अस्त–व्यस्त दिनचर्या व विपरीत आहार ही है। हम अपनी दिनचर्या शरीर की जैविक घड़ी के अनुरूप बनाये रखें तो शरीर के विभिन्न अंगों की सक्रियता का हमें अनायास ही लाभ मिलेगा। इस प्रकार जरा–सी सजगता हमें स्वस्थ जीवन की प्राप्ति करा देगी।

नोट : यह लेख केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

पर्यटन स्थल

धौलपुर : इको फ्रेंडली जिला

प्रस्तोता – अलका सक्सैना
जिला–धौलपुर

राजस्थान का पूर्वी द्वार धौलपुर मुम्बई–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग–3 पर स्थित है। लगभग 200 वर्ष पूर्व राजा कीरत सिंह ने शेरगढ़ को अपना निवास स्थान बनाया। 17 मार्च, 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर तथा करोली को मिलाकर 'मत्स्य संघ' बना तथा धौलपुर के महाराज उदयभान सिंह मत्स्य संघ के राज प्रमुख बने तथा डॉ. मंगल सिंह इसके वित्त मंत्री बने। 15 अप्रेल, 1982 को पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर के कार्यकाल में धौलपुर राजस्थान का 27वां जिला बनाया गया। धौलपुर के 6 किमी. दूर चम्बल नदी के दूसरी ओर मध्यप्रदेश का मुरैना जिला शुरू हो जाता है तथा उत्तर में 27 किमी. दूर पार्वती नदी के बाद उत्तर प्रदेश का आगरा जिला शुरू हो जाता है। भाषा, संस्कृति के अनुसार यहाँ 'बृज संस्कृति' की झलक स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

पारिस्थितिकी तंत्र के अनुसार चम्बल नदी, खारी नदी, पार्वती नदी, वन विहार अभयारण्य, पार्वती बांध, उर्मिला सागर बांध, तालाब शाही, रामसागर बांध में स्थित जैव विविधता ने इसे इको फ्रेंडली जिला बना दिया है। धौलपुर देश की राजधानी नई दिल्ली से 300 किमी. दूर है, इसके नजदीक आगरा एवं ग्वालियर महानगर है। दिल्ली–मुम्बई सेन्ट्रल रेल्वे राजस्थान में केवल धौलपुर से होकर ही गुजरती है। धौलपुर में पर्यटन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण स्थल निम्न हैंः–

तीर्थराज मचकुण्ड : धौलपुर–आगरा राजमार्ग से 3 किमी. दूर इस कुण्ड का सम्बन्ध भगवान राम की पीढ़ी के सूर्य वंशीय राजा मचकुण्ड देव से है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार असुरों को संग्राम में हराकर मचकुण्ड महाराज गहरी निद्रा में लीन थे तथा उनको यह वरदान प्राप्त था कि जो भी उनको निद्रा से जगायेगा तो वह भस्म हो जायेगा, उनकी निद्रा त्रेता युग से द्वापर युग तक जारी नहीं, कलियुग के संक्रमण काल में 'कालयवन नामक राक्षस' भगवान श्रीकृष्ण को मारने भाग रहा था तब श्रीकृष्ण ने अपना पीला वस्त्र मचकुण्ड महाराज को ओढ़ा दिया तथा स्वयं गुफा में छुप गये। कालयवन ने श्री कृष्ण समझ कर निद्रा में लीन मचकुण्ड महाराज को लात मारी इससे उनकी निद्रा खुल गई और कालयवन भस्म हो गया। यहाँ पर अनेक यज्ञ हुए हैं तथा राधाकृष्ण तथा हनुमान जी के अनेक मंदिर हैं। प्रति वर्ष देव छठ पर यहाँ लक्खी मेला लगता है। मचकुण्ड का जल त्वचा रोगों को दूर करता है तथा इसमें अनेक शेवाल, बायोफाइटा तथा अनेक जलीय जीव–जन्तु यहाँ 'इको सिस्टम' को मजबूत बनाए हुए हैं।

तालाब–ए–शाली : धौलपुर से 30 किमी. दूर करौली राजमार्ग पर 'तालाब–ए–शाही' नामक झील तथा भव्य मुगल कालीन इमारत स्थित है जिसका निर्माण 1622 में मुगल सम्राट जहाँगीर के शहजादे शांहजहाँ के लिए उनके मनसवदार सालेखान ने निर्मित करवाया था। इस झील में जैव विविधता की भरमार है तथा यहाँ अनेक देशी–विदेशी पक्षी शरद ऋतु में प्रजनन के लिए आते है।

शेरगढ़ का किला : आगरा–मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर धौलपुर से 5 किमी. दूर स्थित इस किले का निर्माण राजा मालदेव ने करवाया था। शेरशाह सूरी ने 1540 में इसका पुनर्निर्माण करवाया। 1804 में धौलपुर के प्रथम शासक कीरत सिंह ने इसे अपनी राजधानी बनाया। लगभग 500 बीघा क्षेत्र में बने किले में अनेक मंदिर तथा मज़ार स्थित है। इसके नीचे चम्बल नदी बह रही है तथा चारों ओर चम्बल के बीहड़ स्थित है।

वन–विहार अभयारण्य : धौलपुर से 12 किमी. दूर स्थित इस अभयारण्य में अनेक प्रकार के पादप, झील तथा अनेक जीव–जन्तु इसमें स्वच्छन्द विचरण करते रहते हैं। इसमें नील गाय, रोज, हिरण, लोमड़ी, रीछ, जरख, गीदड़ जैसे जन्तु पाये जाते हैं। वन–विहार में सात क्यारी नामक स्थलहै जहाँ का जल निकालने के बाद पुनः भर जाता है। वन विहार में स्थित झील में पर्यटकों के लिए नौका विहार की भी व्यवस्था है।

चम्बल घड़ियाल अभयारण्य : धौलपुर से 6 किमी. दूर चम्बल नदी करौली जिले से धौलपुर में होती हुई उ.प्र. के आगरा जिले की सीमा से होकर इटावा में जमुना में मिल जाती है। धौलपुर से राजाखेड़ा तथा चम्बल नदी में मगरमच्छ तथ घड़ियाल नामक रेल्टाइल्स का प्रजनन क्षेत्र है, यह जन्तु चम्बल सेण्ड में अपने अण्डे देते हैं। इसके अलावा डोलफिन तथा अनेक प्रकार की मछलियां एवं जलीय जीव–जन्तु पारिस्थितिकी तंत्र को स्थिर बनाए रखने में सहयोग दे रहे हैं। चम्बल नदी पर पर्यटकों के लिए नौका–विहार की भी व्यवस्था है।

लोटस गार्डन : यह करौली मार्ग पर स्थित है। इसका निर्माण मुगल बादशाह बाबर के कार्यकाल में हुआ। भारत में यू.एस.ए. के राजदूत सीनेटर डेनियल मोनिटन की पत्नी ने अपने शोध में 'तजुके बाबरी' में वर्णित कमल के फूल का बाग की स्थिति धौलपुर में बताई, तब पुरातत्व विभाग ने खुदाई करके मुगल कालीन बाग तथा फुव्वारे प्राप्त किये। इस स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

घण्टाघर : 1880 ई. में महाराज निहाल सिंह द्वारा 8 मंजिला घण्टाघर का निर्माण किया गया। इसमें छठी मंजिल पर ब्रिटिश की 'जिलेट जानसन कापड्रान' कम्पनी द्वारा निर्मित चार बड़ी घड़ियाँ चारों दिशाओं में लगी है। 600 किलो. वजन एवं 11 फीट परिधि की घड़ियाँ पूरे धौलपुर शहर को समय का ज्ञान कराती हैं।

सिटी जुबली हाल : सिटी जुबली हाल का शिलान्यास 7 मई, 1935 को तत्कालीन ईस्टर्न राजपूताना स्टेट के पोलिटीकल एजेन्ट केप्टन एच.एम.पाल्टन आई.ए. द्वारा किया गया। ब्रिटिश शासक जार्ज पंचम के आगमन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर जुबली ईयर मनाने पर महाराजा उदयभान सिंह ने 1944 में जुबली हाल स्टेट लाइब्रेरी का सृजन किया। मित्र देशों की जीत पर यादगार सांस्कृतिक समारोह के आयोजन के लिए 1944 से 46 तक सिनेमा हाल के रूप में इसका प्रयोग किया गया। सफेद–लाल पत्थरों से निर्मित यह इमारत शहर के बीच आकर्षण का केन्द्र हैं। वर्तमान में सार्वजनिक पुस्तकालय के रूप में इसका प्रयोग किया जा रहा है। इस पुस्तकालय में 1872 में प्रकाशित मेजर एम.एम.लोग की 'इंडियन इंजीनियरिंग' तथा सी.सी.जेम्स की 'ड्रेनेज प्रोब्लम ऑफ द ईस्ट' जैसी दुर्लभ पुस्तकें रखी हुई है। इस इमारत की स्थापत्य कला तथा भित्ती चित्र देखने योग्य है।

सिटी जुबली हॉल

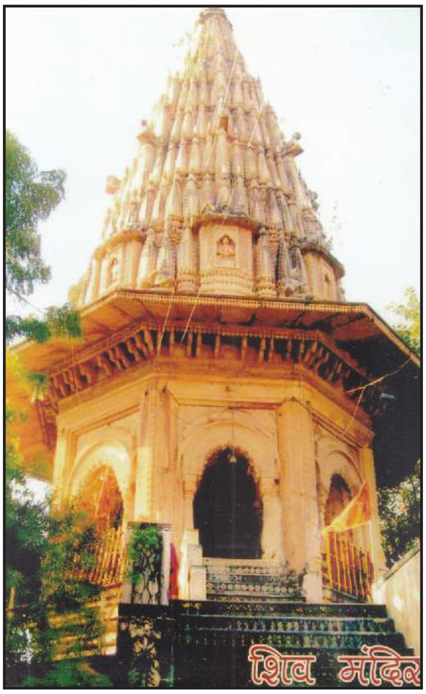
शिव मंदिर

दमोह : धौलपुर से 60 किमी. दूर करौली मार्ग पर सरमपुरा के नजदीक प्राकृतिक जल–प्रपात के रूप में दमोह स्थित है। वर्षा ऋतु में 300 फुट की ऊँचाई से झरने का जल पर्यटकों को आकर्षित करता है। आस–पास घनघोर जंगल में रीछ, सियार, लोमड़ी, खरगोश, नील गाय जैसे वन्य जीव सायंकाल के समय देखे जा सकते हैं। वर्षा ऋतु में यहाँ पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

चौपड़ा महादेव का मंदिर : धौलपुर शहर में लगभग 20 फुट ऊँचाई पर स्थित चौपड़ा महादेव का मंदिर अपनी स्थापत्य कला का बेजोड़ उदाहरण है। शिव चौदस पर यहाँ श्रद्धालुओं भारी तादाद में एकत्रित होते हैं।

इनके अलावा धौलपुर शहर में सिटी पैलेस, नृसिंह मंदिर, पुरानी छावनी का श्रीराम–सीता मंदिर एवं हनुमान जी की विशाल मूर्ति, हनुहंकार तोप, विशिन गिरि बाबा की समाधि, केशर बाग, महाराज बाग बाड़ी, राजस्थान का सबसे बड़ा कच्चा बांध आंगई, रैना वाली माता का मंदिर, बाबू महाराज का मंदिर, सैपऊ महादेव मंदिर, भूतेश्वर महादेव मंदिर बसेड़ी, चम्बल गार्डन, लम्बी बावड़ी, परमहंस अद्वैत मंदिर संत नगर जैसे पर्यटक स्थल मौजूद हैं। इसके अलावा धौलपुर शहर साम्प्रदायिक सद्भाव की अनूठी मिसाल है, मचकुण्ड के पास मौनी सिद्ध बाबा एवं शाह अब्दाल शाह बाबा की मजार, सिद्ध बाबा एवं बंगाली बाबा लोंगपुर पहाड़ एवं गुरूद्वारा शेर–शिकार पर मेले के समय हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख एवं सभी धर्मों के लोग मिल–जुल कर मत्था टेकते हैं।

राज्य सरकार द्वारा धौलपुर को पर्यटन के लिए विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा बारूद फैक्ट्री तथा ताप विद्युत ग्रह बनने से औद्योगिक विकास की संभावनाएं बढ़ी है। सरमथुरा–बाड़ी क्षेत्र में स्थित 'रेड–स्टोन' धौलपुर स्टोन के नाम से विख्यात, ने देश–विदेश की कई इमारतों की शोभा बढ़ाई है।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
राज्य पुरस्कार समारोह	जगतपुरा, जयपुर	20 से 23.02.2024
विश्व स्काउट दिवस/गाइड चिन्तन दिवस	सभी स्तरों पर	22.02.2024
स्वच्छता चेतना, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम, जन जागृति कार्यक्रम	सभी स्तरों पर	फरवरी–मार्च माह में
दिव्यांग, अनाथालय, पालनहार, अनुसूचित जाति एवं जनजाति स्काउट गाइड गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
ग्रामीण गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Integration Camp	19 - 23 February, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana
National Level Cub/Bulbul Utsav	19 - 23 February, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana
National Level Advocacy Workshop On SDGS For Rovers & Rangers & Young Leaders	28 Feb - 03 March, 2024	Doddaballapur, Karnataka

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
10th National Jamboree - 2024 - Sri Lanka	20 - 26 February, 2024	Trincomalee
Juliette Low Seminar (JLS) 2024, WAGGGS' Leadership Development Programme for young people	April to December 2024	Virtual
JamBrownee at Pax Lodge World Centre	30 May - 02 June 2024	London, United Kingdom
Jamscout 2024- National Scout Jamboree in Spain	13 - 21 July 2024	Cobaleda, Soria
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
Red Rose International Jamboree	03 - 10 August, 2024	United Kingdom
13th Nippon Agoonoree – National Camp for the Scouts with Special Needs	08 - 12 August, 2024	Fukushima, Japan
43rd World Scout Conference	17-23 August, 2024	Egypt

National Headquarters website : www.bsgindia.org

75वें गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोहों में सम्मानित स्काउट गाइड कार्यकर्ताओं के छाया-चित्र

भरतपुर के सहा.राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला

पाली के सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीणा

भीलवाड़ा की गाइडर श्रीमती मंजु छीपा

सीकर की गाइड कैप्टन श्रीमती सरोज लॉयल

झुन्झुनू के स्काउटर विजय गिर्वा

सिरोही में मार्च-पास्ट में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर शील्ड प्राप्त करती गाइड्स

उदयपुर में मार्च-पास्ट में प्रथम स्थान का प्रमाण-पत्र प्राप्त करता हुआ स्काउट

कोटा: मार्चपास्ट में जनजाति स्काउट दल के प्रथम स्थान, जनजाति गाइड दल के द्वितीय स्थान एवं स्काउट दल के तृतीय स्थान प्राप्त करने पर जिला कलेक्टर सम्मानित करते हुए

जोधपुर आगमन पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए स्काउट्स

श्री निरंजन आर्य का प्रेरणास्प्रद उद्‌बोधन सुनते हुए जोधपुर के स्काउट्स

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com